www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 332 । नर्मदापुरम, रविवार 9 मार्च 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

नेशनल लोक अदालत में निपटे 1 हजार मामले — पृष्ठ 2
▸ लावण्या गुप्ता : एआई और मशीन लर्निंग में एक उभरता हुआ सितारा
▸ 'घुमक्कड़ी'- सुध-बुध खोकर आप लेखिका के साथ-साथ चलते हैं — पृष्ठ 4
▸ जन सहयोग से शहर को बनाएंगे स्वच्छ व व्यवस्थित — पृष्ठ 6
समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रहे सामूहिक विवाह — पृष्ठ 8

सार-समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल आज, भारत-न्यूजीलैंड में होगी टक्कर

दुबई, एजेंसी। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 2013 की जीत के इतिहास को दोहराने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

2013 के इतिहास को दोहराने उतरेगा भारत

भारतीय टीम तीसरी बार बहुप्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची है जहां उन्हे मजबूत न्यूजीलैंड से मुकाबला करना है जो अपने पहले खिताब के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाने को तैयार है। न्यूजीलैंड विश्व क्रिकेट में लगातार एक ताकत रहा है, जिसने हाल के टूर्नामेंटों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, न्यूजीलैंड बहुत अच्छी टीम हैं। मैं उन्हें करीब से देख रहा हूं और वे असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी खेल शैली काबिल ए तारीफ है।

हालांकि जैसा कि इतिहास ने दिखाया है, फाइनल अप्रत्याशित हो सकते हैं। भारत इस प्रतियोगिता में प्रमुख खिलाड़ियों के असाधारण प्रदर्शन से मजबूत होकर उतरेगा। दबाव वाले मैचों में अपने कौशल के लिए प्रसिद्ध विराट कोहली ने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। केएल राहुल ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण रन बनाए हैं। केएल राहुल ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की ताकत रचिन रवींद्र और केन विलियमसन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें ग्लेन फिलिप्स मध्य क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। रवींद्र के सभी पांच वनडे शतक आईसीसी इवेंट्स में आए हैं। अगर वह चले तो न्यूजीलैंड भारत को एक बड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

भारत-आयरलैंड की संयुक्त आर्थिक आयोग की स्थापना पर सहमति

डबलिन, एजेंसी। भारत और आयरलैंड ने बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों के महत्व को स्वीकार करते हुए भारत-आयरलैंड संयुक्त आर्थिक आयोग की स्थापना पर सहमति व्यक्त की है। आयरलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों, व्यापार और रक्षा मंत्री साइमन हैरिस के निमंत्रण पर भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने 06-07 मार्च 2025 तक आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा के दौरान यह महत्वपूर्ण सहमति बनी।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मॉरीशस की दो दिन की यात्रा पर पोर्ट लुई जाएंगे और मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री 11 और 12 मार्च 2025 को मॉरीशस की यात्रा करेंगे। 2015 के बाद से प्रधानमंत्री की यह पहली मॉरीशस यात्रा है।

दिल्ली एनसीआर में धीरे धीरे बढ़ रही गर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुलाबी ठंड के बाद एक बार फिर दिल्ली-एनसीआर में तापमान बढ़ने लगा है। लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 9 से 13 मार्च तक अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री न्यूनतम 13 से 19 डिग्री तक रह सकता है। इस दौरान आंशिक तौर पर बादल भी छाए रह सकते हैं। स्काईमेट के अनुसार दिल्ली एनसीआर में तापमान तेजी से बढ़ेगा। इससे गर्मी लोगों को परेशान करेगी। दोपहर के समय बाहर रहना मुश्किल होगा।

मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन हिंसा

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हो गए।

राहुल ने गुजरात में अपनी ही पार्टी को दिखाया आईना, बोले-

कांग्रेस के आधे नेता भाजपा से मिले हुए

पार्टी में नेताओं की कमी नहीं, कई बब्बर शेर, लेकिन बंधे हुए

20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए: राहुल गांधी

अहमदाबाद, एजेंसी। राहुल गांधी ने शनिवार को अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों लगे पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल ने कई चौंकाने वाली टिप्पणियां कीं और अपनी ही पार्टी को आईना दिखाया।

राहुल गांधी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को 20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कई बब्बर शेर हैं। लेकिन बंधे हुए हैं। पार्टी में दो गुट हैं। उन्होंने कहा कि एक जनता की इज्जत करता है, जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाता है, उसके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है। दूसरा गुट जनता की इज्जत नहीं करता है। इसके लोग भाजपा से मिले हुए हैं। राहुल के इतना कहते ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इन दोनों तरह के पार्टी नेताओं को जब तक अलग-अलग नहीं किया जाएगा, यहां की जनता कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकती।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए राहुल ने कहा, 'उन्हें ये बात स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता दिशा दिखाने में असफल रहे।' इससे पहले राहुल ने अहमदाबाद के 'कार्यकर्ता सम्मेलन' में महिला कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। राहुल ने कहा कि कल वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। बकौल राहुल गांधी, मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना था।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों को भेजी साढ़े 15 सौ करोड़ से अधिक राशि, कहा-

नारी सशक्तिकरण के हर संभव किए जा रहे प्रयास

आजीविका मिशन के चलित जैविक हाट बाजार के वाहन किये रवाना

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं को अधिकार देने से समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं। भारत विश्व का एक मात्र ऐसा देश है जो हमेशा से मातृ शक्ति का सम्मान करता रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी हैं। सशक्त नारी से ही प्रदेश और देश आज न केवल सशक्त बन रहा है, बल्कि समृद्ध भी हो रहा है।

डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि एक करोड़ 27 लाख बहनों के खाते में 1552.73 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई है। पिछले एक वर्ष जनवरी 2024 से फरवरी 2025 तक लाड़ली बहनों के खाते में 22 हजार 227.89 करोड़ की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद संसद में महिलाओं को मिले 33 प्रतिशत आरक्षण की शक्ति परिलक्षित होगी और देश का संचालन महिलाओं के हाथों में होगा। नारी सशक्तिकरण के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर अब प्रदेश में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय पुरस्कार भी वितरित किए। डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित स्व-सहायता सम्मेलन में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना में एक हजार युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ डिजिटल ई-न्यूज लेटर 'आजीविका अनुभूति' का विमोचन किया। उन्होंने सीहोर जिले के समूह सदस्यों को 2 सौ ई-सायकिल वितरित करने के साथ आजीविका मिशन के चलित जैविक हाट बाजार के 3 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। कार्यक्रम में तुलसी का पौधा भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया गया। डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 19 हजार से अधिक बहनों का कन्यादान सरकार की ओर से किया गया है। योजना में हो रहे सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता, सौहार्द ■ शेष पृष्ठ 8 पर

धर्मांतरण करने वालों के लिए होगा फांसी का प्रावधान

भोपाल, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मासूम बेटियों के साथ दुराचार करने वालों के लिए राज्य में फांसी की सजा का प्रावधान है और अब धर्मांतरण करने वालों को भी फांसी की सजा का प्रावधान किया जाएगा।

राजधानी भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में मासूम बालिकाओं के साथ दुराचार करने के मामले में सरकार बहुत कठोर है। इस संबंध में फांसी का प्रावधान किया गया है। जो दुराचार करेगा, हमारी सरकार उसे छोड़ने वाली नहीं है। किसी हालत में ऐसे लोगों को जीवन जीने का अधिकार नहीं देना चाहते हैं। जो धर्मांतरण कराएंगे, उनको भी फांसी की सजा दिलाए जाने का प्रबंध किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आगे कहा कि किसी भी हालत में धर्मांतरण और दुराचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की समाज विरोधी व्यवस्थाओं के खिलाफ सरकार ने संकल्प लिया है कि समाज के अंदर कुरीतियों, गलत बातों को बढ़ावा देने वालों से कठोरता के साथ पेश आएंगे।

महिला समृद्धि योजना को कैबिनेट की मंजूरी

दिल्ली में गरीब महिलाओं को प्रति माह मिलेंगे 25 सौ रुपए

नई दिल्ली, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली सरकार ने महिलाओं को महिला समृद्धि योजना का तोहफा दिया। शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हुई कैबिनेट में योजना पर मोहर लगाते हुए 5100 करोड़ रुपए की वार्षिक योजना को मंजूरी दी। इस योजना के तहत दिल्ली की गरीब महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपए की आर्थिक मदद मिलेगी।

इस योजना को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। इस योजना के संबंध में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि शनिवार को दिल्ली सचिवालय में महिला समृद्धि योजना को लेकर दिल्ली कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में दिल्ली की गरीब महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह देने वाली महिला समृद्धि योजना को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दिल्ली की गरीब महिलाओं को प्रति माह वित्तीय सहायता देकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह योजना भाजपा के संकल्प पत्र विकसित दिल्ली संकल्प पत्र की प्रतिबद्धता को पूरा करता है।

महिलाएं खुद पंजीकृत कर सकेंगी

इस कमेटी में मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद और कपिल मिश्रा को शामिल किया गया है। साथ ही निर्णय लिया गया है कि जल्द ही एक पोर्टल शुरू किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से दिल्ली की महिलाएं खुद को पंजीकृत कर सकेंगी।

तकनीक की मदद से रखेंगे नजर

रेखा गुप्ता ने कहा कि योजना की पारदर्शिता, दक्षता और धन के निर्बाध वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करेगी। इसके लिए एक पोर्टल भी बनाया जाएगा। लाभार्थियों को प्रमाणित करने के लिए आधार-आधारित ई-केवाईसी सत्यापन का उपयोग किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि वित्तीय सहायता केवल उन लोगों तक पहुंचे जो पात्र हैं। इसके अतिरिक्त, लीकेज और दुरुपयोग को रोकने के लिए मजबूत डिजिटल भुगतान तंत्र लागू किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया सुरक्षित, परेशानी मुक्त और सभी लाभार्थियों के लिए आसानी से सुलभ हो जाएगी।

परदेशियों से काली करतूत

हम्पी के पास पर्यटक सहित 2 महिलाओं से दुष्कर्म

सानापुर, एजेंसी। कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी से एक शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां अज्ञात लोगों ने एक विदेशी महिला पर्यटक सहित 2 महिलाओं से दुष्कर्म किया। इसके साथ ही उनके 3 पुरुष साथियों के साथ मारपीट कर उन्हें नहर में फेंक दिया। इनमें से एक व्यक्ति का नहर के पास से शव बरामद किया गया है।

3 पुरुष साथियों को नहर में फेंका, 1 की मौत

पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात 11-11.30 बजे के बीच ये घटना हुई। हम्पी के पास लोकप्रिय सानापुर झील के किनारे अज्ञात बदमाशों ने एक 27 वर्षीय महिला इजरायली पर्यटक और एक होमस्टे की 29 वर्षीय महिला संचालिका के साथ दुष्कर्म किया। ओडिशा का रहने वाला एक पुरुष पर्यटक, जो अपराध के समय उन दोनों के साथ था, उसका शव मिला है। अपराधियों ने उसे तुंगभद्रा नहर में धक्का दे दिया, जबकि अमेरिका और महाराष्ट्र के दो अन्य पुरुष पर्यटक घायल हो गए हैं। घायलों का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस की स्पेशल टीम इस घटना से जुड़े आरोपियों की तलाश कर रही है। सानापुर झील हम्पी से लगभग 4 किमी दूर है और विदेशी पर्यटकों के बीच एक बड़ा आकर्षण का केंद्र है। इस संबंध में गंगावती ग्रामीण पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 309 (6) (चोरी या जबरन वसूली), 311 (मौत या गंभीर चोट पहुंचाने के इरादे से डकैती), 64 (बलात्कार), 70 (1) (सामूहिक बलात्कार), 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, ये वारदात जब हुई जब चार पर्यटक और होमस्टे की महिला संचालक सानापुर झील के पास संगीत बजाकर लुत्फ ले रहे थे।

आरोपियों ने पूछा पेट्रोल पंप का पता

झील के पास जब ये लोग संगीत बजा रहे थे तभी बाइक सवार तीन लोग उनके पास आए और पूछा कि उन्हें पेट्रोल कहां से मिलेगा? होमस्टे संचालिका ने उन्हें बताया कि आसपास पेट्रोल पंप नहीं है तो तीनों ने उनसे कैश की मांग की। जब पैसा देने से इनकार कर दिया, तो कन्नड़ और तेलुगु बोलने वाले इन बदमाशों ने उनके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट शुरू कर दी, जिसके बाद उन्होंने तीन पुरुष पर्यटकों को नहर में धक्का दे दिया।

मंडला जिला अस्पताल में चूहों के आतंक का वीडियो वायरल

2 ड्यूटी नर्स निलंबित, एक वार्ड बॉय बर्खास्त

जबलपुर, देशबन्धु। मंडला में जिला अस्पताल में चूहों के आतंक का वीडियो वायरल होने के बात यह बात सामने आई है कि विगत आठ माह से पेस्ट कंट्रोल नहीं हुआ था। मरीज के परिजनों तथा स्टाफ नर्स ने चूहों के आतंक की शिकायत अस्पताल प्रबंधन की थी। वीडियो वायरल होने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने की बजाये दो ड्यूटी नर्स को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा आउस सोर्स वार्ड बॉय की सेवा समाप्त कर दी गयी है।

मंडला कलेक्टर सोमेश शर्मा ने बताया कि वायरल वीडियो देखने के बाद उन्होंने शनिवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि पिछले आठ महीनों से अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल नहीं हुआ था। उन्होंने तत्काल अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल करवाया। इसके अलावा सीएमएचओ को सफाई व्यवस्था पर विशेष तौर पर ध्यान रखने तथा समय-समय पर पेस्ट कंट्रोल करवाने के निर्देश दिये है। इसके अलावा दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही करने भी निर्देश जारी किये थे। सीएमएचओ मंडला डॉ कीर्ति सरोते ने बताया कि दो स्टॉफ नर्स को निलंबित कर दिया गया है तथा एक ऑउट सोर्स कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गयी है। इसके अलावा अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ विजय धुर्वे तथा सहायक प्रबंधक अजय सैयाम को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। ड्यूटी नर्स तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों के द्वारा चूहों के आतंक के संबंध में पूर्व में शिकायत किये जाने पर उनका कहना था कि यह मामला पहली ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एयरपोर्ट पर बुजुर्ग महिला को नहीं मिली व्हीलचेयर

गिरने से लगी चोट, आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट पर एक बुजुर्ग महिला को समय पर व्हीलचेयर न देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मजबूरी में काफी दूर पैदल चलने के बाद वह गिर गईं और फिलहाल बेंगलुरु के एक अस्पताल में आईसीयू में हैं। बेंगलुरु जा रही महिला राज पसरीचा एक पूर्व सैन्य अधिकारी (लेफ्टिनेंट जनरल) की विधवा हैं। वह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर लंबी दूरी तक पैदल चलने के बाद गिर गईं। उन्होंने पहले से व्हीलचेयर बुक कराई थी, लेकिन एयरलाइन ने समय पर व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराई।

घटना 4 मार्च की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी पोती पारुल कंवर ने पोस्ट किया कि उनकी दादी दो दिनों से आईसीयू में हैं और उनके शरीर का बायां हिस्सा कमजोर हो रहा है। मैं यह पोस्ट इसलिए कर रही हूं क्योंकि मेरे पास कोई विकल्प नहीं है और मुझे गुस्सा आता है कि मानव जीवन और उनके कल्याण की इतनी कम कद्र है। एयर इंडिया, तुमने मेरी दादी के साथ इतना बुरा व्यवहार किया और इतना कम सम्मान दिया। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। आरोपों का खंडन करते हुए, एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि बुजुर्ग डिपार्चर टर्मिनल पर बहुत देर से पहुंची थीं।

नवनिर्वाचित विधायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 से

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम अब 18 और 19 मार्च को पुनर्निर्धारित किया गया है जिसका उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंदर गुप्ता ने श्री बिरला से मुलाकात कर उन्हें इस कार्यक्रम के लिए उन्हें कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है। नव निर्वाचित विधायकों के लिए इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें विधायी प्रक्रियाओं, संसदीय आचरण और शासन प्रणाली की जानकारी देना है। प्रस्तुतियों, संवाद, चर्चाओं और ज्ञान-विनिमय मंचों के माध्यम से इस आयोजन के माध्यम से विधायकों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चौंकाने वाले आंकड़ों ने खोली यूनुस सरकार की पोल

बांग्लादेश में बढ़ रही महिलाओं के खिलाफ हिंसा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के आंकड़ों ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत देश की गंभीर वास्तविकता को उजागर किया है। विश्व शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है, लेकिन बांग्लादेश के हालात परेशान करने वाले हैं। बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मोस्लेम ने कहा, 'समाज अराजकता की ओर बढ़ रहा है, जहां आपराधिक दंड से मुक्ति बढ़ रही है। कानून प्रवर्तन की नाकामी, जवाबदेही की कमी अपराधियों को मजबूत बना रही है।'

पिछले महीने हिंसा की 295 घटनाएं दर्ज की गईं

प्रमुख बांग्लादेशी समाचार पत्र द डेली स्टार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पूरा समाज जागरूक नहीं हुआ तो इस संकट से निपटना बेहद मुश्किल होगा। फौजिया मोस्लेम ने कहा, न्याय की जगह बातचीत ने ले ली है, जिससे महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने वालों और व्यवस्था का शोषण करने वालों को अधिक शक्ति मिल रही है।' उन्होंने कहा कि आत्मसंतुष्टि, अधिकारियों की चुप्पी, [जिसमें नेतृत्वकारी भूमिका में महिलाएं भी शामिल हैं], और कानून के प्रति सामान्य उपेक्षा, ये सभी महिलाओं के प्रति बढ़ती दुश्मनी को बढ़ावा दे रहे हैं। देश में कानून व्यवस्था की हालत पिछले अगस्त में सत्ता परिवर्तन के बाद से बेहद खराब है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ढाका स्थित मानवाधिकार सांस्कृतिक फाउंडेशन (एमएसएफ) की एक रिपोर्ट से पता चला है कि फरवरी 2025 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की 295 घटनाएं दर्ज की गईं, जो जनवरी की तुलना में 24 अधिक हैं।

यौन उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा

विभिन्न व्यवसायों से जुड़ी कुल 21 महिलाओं ने स्थानीय मीडिया को बताया कि पिछले तीन महीनों में उन्हें घर के बाहर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। ढाका में रहने वाली 19 से 48 वर्ष की आयु की इन महिलाओं ने सड़क पर उत्पीड़न के कई मामलों की सूचना दी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि विरोध करने पर वे भीड़ का निशाना न बन जाए।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों महिलाओं को मिला लाभ

बैतूल, देशबन्धु। भोपाल के उबुन्तु हार्ट हॉस्पिटल और बैतूल के विजय सेवा न्यास के तत्वावधान में विजय सेवा न्यास परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा महिला वित्तीय सशक्तिकरण, महिला रोग निदान और अंगदान पंजीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा विधायक हेमंत खंडेलवाल, जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे, बैतूल नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, रिटायर्ड सिविल सर्जन डॉ. अशोक बारंगा, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. अरुण जयसिंहपुरे, डॉ. (प्रो.) मंडल सुब्रोतो, डॉ. रेणुका गोहिया, डॉ. महिमा सोनवानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रश्मि साहू, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ममता मालवी, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी माधुरी साबले, कोठीबाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य और गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा की उपस्थिति में हुआ। स्वास्थ्य शिविर में हृदय रोग, मधुमेह सहित अन्य बीमारियों की निशुल्क जांच, उपचार और परामर्श दिया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिलाओं की जांच कर उन्हें जरूरी दवाइयां वितरित कीं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा महिला कार्यकर्ता, पार्षदगण, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, स्वसहायता समूह की महिलाएं और नगर की बहनें मौजूद रहीं।

गौसेवकों ने विधान सभा अध्यक्ष के सामने रखी अपनी समस्या, सरकारी योजना में बदलाव की मांग

बैतूल, देशबन्धु। मुलताई विधानसभा के ग्राम बाड़ेगांव में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसमें विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके सहित क्षेत्र के पांचों विधायक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जबरदस्त उत्साह देखा गया, लेकिन समापन के समय एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठा। कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता (मैत्री) गौ-सेवक कल्याण संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश सहसचिव कुमानसिंह राजपूत ने विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि सरकार ने इन्हें स्वरोजगार योजना में शामिल किया है, जिससे इन्हें कोई स्थायी नियुक्ति या मानदेय नहीं मिल रहा। एआई टेक्निशियन (कृत्रिम गर्भाधान विशेषज्ञ) पशुपालन एवं डेयरी विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त कर भारत सरकार और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं जैसे कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, प्राथमिक उपचार, गोकुल महोत्सव, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम, टेनिंग टीकाकरण और केसीसी योजना के सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लंपी वायरस जैसी महामारी के दौरान भी इन गौसेवकों ने निःस्वार्थ सेवा दी और सरकार द्वारा चलाई जा रही पंचायत स्तरीय गौशालाओं में भी निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार ने इन्हें स्वरोजगार योजना में शामिल किया है, जिससे इन्हें कोई स्थायी नियुक्ति या मानदेय नहीं मिल रहा।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से तीन मुख्य मांगें रखी गईं, एआई टेक्निशियन और गौसेवकों को पंचायत स्तर पर नियुक्त कर मानदेय दिया जाए, पशुपालन विभाग की चतुर्थ श्रेणी भर्ती में इन्हें प्राथमिकता मिले और इन्हें स्वरोजगार योजना से मुक्त किया जाए। इसके अलावा, सरकार द्वारा संचालित गौशालाओं में एआई टेक्निशियनों की सेवाएं अनिवार्य रूप से ली जाएं। इस मौके पर विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि सरकार इस पर ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि गौसंवर्धन और गौसंरक्षण से जुड़े इन प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की मांगों को सरकार के समक्ष रखा जाएगा और उचित निर्णय लिया जाएगा।

रोमांचक मुकाबले में भोपाल फाइटर की धमाकेदार जीत, आमला क्रिकेट क्लब हुआ ढेर

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम कोठी बाजार में आयोजित अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में शनिवार को खेले गए मुकाबले में भोपाल फाइटर ने आमला क्रिकेट क्लब को करारी शिकस्त दी। आमला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उनकी पूरी टीम मात्र 109 रन पर ढेर हो गई। भोपाल फाइटर के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें विजय, पीयूष और देवांश ने 2-2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल फाइटर की टीम ने मात्र 15.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के बल्लेबाज रोमी बंसल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 45 रन बनाए और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। पुरस्कार वितरण समारोह में डंपर यूनियन एवं रेत सप्लायर के अध्यक्ष राजकुमार दीवान, संरक्षक राजू गावंडे, सोमेश त्रिवेदी और प्रणय पाठक मौजूद रहे।

नेशनल लोक अदालत में निपटे 1 हजार मामले

5.93 करोड़ के अवार्ड पारित

हरदा, देशबन्धु। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय हरदा एवं व्यवहार न्यायालय खिरकिया तथा व्यवहार न्यायालय टिमरनी, जिला हरदा में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया लोक अदालत का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से मुख्य न्यायाधीश मप्र. उच्च न्यायालय जबलपुर सुरेश कुमार कैत द्वारा किया गया। जिला मुख्यालय हरदा में उद्घाटन समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा, विशेष न्यायाधीश/नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत जयदीप सिंह, तृतीय अपर सत्र जिला न्यायाधीश रोहित सिंह,, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लवकेश सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मोहित कुमार श्रीवास्तव, सचेन्द्र कुमार भदकारिया, श्रीमती चेतना रूसिया, प्रेमदीप शाह, संजीव राहंगडाले, सुश्री काजल पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती अपर्णा लोधी एवं जिला अधिवक्ता संघ हरदा के अध्यक्ष संजय शांडिल्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्यायालयीन कर्मचारी तथा पक्षकारउपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा ने लोक अदालत का महत्व बताते हुये लोक अदालत के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग करने हेतु अधिवक्ताओं एवं सभी विभागों के प्रमुख इलेक्ट्रानिक मीडिया व अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता व पक्षकारों की प्रशंसा की एवं कहा कि लोक अदालत जनता की अदालत है यह सुलह एवं समझौता का मंच है तथा शीघ्र एवं सस्ते न्याय का स्त्रोत है । लोक अदालत में जिले में कुल 13 खण्डपीठ बनाई थी, जिसमें से 12 खण्डपीठ न्यायालयों की, 1 खण्डपीठ उपभोक्ता फोरम की बनाई गई है। न्यायालय की खण्डपीठों में न्यायालयों के कुल 549 पेंडिग प्रकरणों को तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरण के रूप में 9317 प्रकरणों को लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर निराकरण हेतु रखा गया था।

न्यायालयों के रखे गये 30 पेन्डिग प्रकरणों में मोटर दुर्घटना दावा के 22 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा राशि 58,41,000 रूपये के अवार्ड पारित हुये। इसी प्रकार कुल 209 आपराधिक शमनीय प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा धारा 138 एन.आई.एक्ट के 127 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा 3,93,26,420 समझौता राशि के आदेश पारित हुये। सिविल प्रकरणों में 13 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिनमे राशि 26,53,185 रूपये के आदेश/अवार्ड पारित हुए। विद्युत अधिनियम के 26 प्रकरण का निराकरण हुआ तथा राशि 1,38,000 रूपये का अवार्ड पारित हुआ। इसी प्रकार 7 वैवाहिक/कुटुम्ब न्यायालय के प्रकरणों का निराकरण हुआ एवं वर्षो से अलग रह रहे परिवार एक लोक अदालत के माध्यम से एक हुये।

प्री-लिटिगेशन प्रकरण के रूप में बैंकों के 22 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा राशि 11,97,000 रूपये के अवार्ड राशि पारित हुए । इसी प्रकार नगर पालिका/नगर परिषद के जलकर के कुल 74 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा राशि 341706 रूपये की राशि जमा हुई एवं सम्पत्ति कर के 71 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें 1156379 रूपये की राशि जमा हुई। इसी प्रकार विद्युत विभाग के कुल 362 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा 18,87,000 रूपये समझौता राशि के रूप में वसूल हुई। लोक अदालत में कुल 1000 प्रकरणों का निराकरण हुआ एवं 5,93,31,070 रूपये के अवार्ड/आदेश पारित हुये तथा नेशनल लोक अदालत में 2025 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

महिला चिकित्सकों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनने का दिया संदेश

बैतूल, देशबन्धु। श्री ओम शक्ति टीवीएस शोरूम, बटरफ्लाई चौक, खेड़ी इंदौर रोड, बैतूल में महिला दिवस का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस खास अवसर पर महिला चिकित्सकों एवं डीआईडी सुपर मॉम्स की उपविजेता साधना मिश्रा की भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी प्रेरणादायक बना दिया। पूरे आयोजन में सशक्तिकरण, सम्मान और उत्सव का अनूठा संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कीर्ति साहू, डॉ. दीप्ति राठी और डॉ. लिपि पद्माकर उपस्थित रहीं। तीनों ही वक्ताओं ने अपने प्रेरक विचारों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके विचारों ने वहां मौजूद सभी महिलाओं को जीवन में आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संबल दिया। महिला दिवस के इस खास आयोजन को और भी आनंदमय बनाने के लिए महिलाओं के बीच विभिन्न रोचक खेलों का आयोजन किया गया। खेलों में पूरे उत्साह के साथ महिलाओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन समिति की ओर से सभी प्रतिभागियों को उपहार स्वरूप आकर्षक स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण तभी पूर्ण होगा जब वे समाज और प्रकृति के उत्थान में भी अपनी भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम के आयोजन की पूरी जिम्मेदारी श्रीमती माधुरी दिनेश महस्की ने संभाली और इसे पूरी सफलता के साथ संपन्न कराया। मंच संचालन की भूमिका प्रसिद्ध उद्घोषिका साधना मिश्रा ने निभाई, जो डीआईडी सुपर मॉम्स 3 की प्रथम उपविजेता रह चुकी हैं। उनके ऊर्जावान अंदाज और प्रभावशाली संवाद शैली ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया आयोजकों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि महिलाओं को आगे बढ़ने और सशक्त बनने के लिए प्रेरणा मिलती रहे।

ग्राम ऊंचागोहन में मनाया महिला दिवस

खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन, विजेताओं को किया पुरस्कृत

बैतूल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्राम ऊंचागोहन में शनिवार को प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन बाएफ, किसान ई-पोषक एपीओ, ऊंचागोहन ग्राम विकास समिति और नाबार्ड के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के योगदान को मान्यता देना, उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और जैविक खेती के महत्व को किसानों तक पहुंचाना था। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली और उनके योगदान को समाज में पहचान मिली। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक राहुल कुशवाहा, उचगोहान ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती मनीषा उइके, बाएफ से श्रीमती कृष्णा साहू एवं यशवंत चरपे, किसान ई-पोषक एफपीओ के सीईओ सचिन सोनी, अकाउंटेंट जमदु उइके, कंपनी के निदेशक मंडल, ऊंचागोहन ग्राम विकास समिति के सदस्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिलाएं और किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जैविक खेती के महत्व को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया। किसानों को जैविक खेती के लाभ, जैविक उत्पादों के उपयोग, जैविक खाद निर्माण एवं उनके विपणन संबंधी जानकारी दी गई। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक राहुल कुशवाहा ने अपने संबोधन में महिलाओं के कृषि एवं उद्यमशीलता में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं। किसान ई-पोषक एफपीओ के बीओडी ने जैविक खेती के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ कर सकती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जैविक खेती अपनाकर अपनी उपज की गुणवत्ता और बाजार मूल्य में वृद्धि करें। इस आयोजन को और अधिक उत्साहपूर्ण बनाने के लिए महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़, मटकी फोड़ और चम्मच दौड़ जैसी रोचक प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

राज्य सरकार और केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण के अनेकों काम कर रही: पार्वती

पीएम श्री महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। ताप्ती महिमा मंडल समिति के तत्वावधान में शनिवार को पीएम श्री महाविद्यालय स्थित अटल सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर

महिलाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर, सुश्री वासु कनौजिया सीसीएफ बैतूल, सुश्री शिखा भलावी डीएसपी बैतूल, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त श्रीमती गौरी बालापुरे, श्रीमती रेखा अहिरवार अध्यक्ष ताप्ती महिमा मंडल समिति बैतूल उपस्थित थे। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीपक प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के गीत, नृत्य ,काव्य पाठ के आयोजन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस समारोह में सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली आधा सैकड़ा से अधिक महिलाओं को मंच से अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि सुश्री वासु कनौजिया ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पूरी लगन और मेहनत से सफलता के शिखर तक पहुंच रही है। सुश्री शिखा भलावी ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है जहां पहले उनकी मौजूदगी ना के बराबर थी। श्रीमती गौरी बालापुरे ने कहा कि हमारे शास्त्रों, और संस्कृति में नारी सम्मान की बातें कहीं गई है। श्रीमती रेखा अहिरवार ने कहा कि महिलाओं ने प्राचीन काल से ही हर क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां को हासिल किया है। महिला शक्ति एक ऐसी ताकत है जो किसी काम को करने की ठान ले तो उसके लिए कोई भी काम संभव नहीं है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए गीता और रंजना सम्मानित

आमला, देशबन्धु। सुजाता महिला मंडल एवं भारतीय बौद्ध महासभा के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय बौद्ध महासभा बैतूल की महासचिव आयु गीता नागले रही, जबकि अध्यक्षता पूरणा कातुलकर ने की। आयोजन में सुजाता महिला मंडल की अध्यक्ष एवं भारतीय बौद्ध महासभा की उपाध्यक्ष आयु नालंदा शेषकर, आयु नंदा गौरी, फूला बाई झरबड़े, सुआबाई मालवी समेत कई गणमान्य महिलाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन रंजना बोरकर ने सुचारू रूप से किया। गीता नागले ने अपने संबोधन में महानायकों के गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी और महिलाओं को प्रेरित किया। इस दौरान दुर्गा नंदेश्वर, पंचशील ताई, मालती चंदेलकर, मालती वामनकर, अंजू शेषकर, मीना खातरकर, शीला खातरकर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए आयु गीता नागले और रंजना बोरकर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में सभी महिलाओं को सम्मानित कर स्वल्पाहार वितरित किया गया। आयोजन के अंत में सुजाता महिला मंडल की अध्यक्ष नालंदा शेषकर ने सभी अतिथियों और उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी भारतीय बौद्ध महासभा की जिला सचिव आयु वर्षा नागले ने दी।

हर क्षेत्र में सफलता के परचम लहरा रही हैं महिलाएं: चौहान

- राष्ट्रीय प्रगति में महिलाओं की है समान भागीदारी- माकोड़े
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वडाली में हुआ भव्य आयोजन, महिलाओं का हुआ सम्मान

आठनेर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर के निर्देशन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के सहयोग से ग्राम पंचायत वडाली में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम की वरिष्ठ महिला राधिका धोटे ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर की विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। कला, खेल, बिजनेस, विज्ञान, टेक्नोलॉजी, प्रशासनिक सेवा जैसे क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी योग्यता साबित की है। उनकी उपलब्धियों से पूरा विश्व गौरवान्वित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और संघर्षों को पहचानने के लिए मनाया जाता है। इस दिन हम महिलाओं की सफलता का जश्न मनाते हैं और उनके संघर्षों को समझने का प्रयास करते हैं। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े ने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं, नीतियों और विधायी उपायों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की दिशा में कार्य कर रही है। महिलाएं आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यह राष्ट्रीय प्रगति में उनकी समान भागीदारी को सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम में ग्राम विकास तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया।गौरतलब है कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना, उनके योगदान को पहचान दिलाना और समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत वडाली के सरपंच मुन्नीलाल मर्सकोले, रोजगार सहायक धर्मेंद्र साहू, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के कृष्णा बारस्कर, धर्मेंद्र उइके सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष सिंह चौहान ने किया।

10 दिन में लंबित काम पूरे करें, वर्ना कार्रवाई होगी: सीईओ

भोपाल,देशबन्धु। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) इला तिवारी ने शुक्रवार को फंदा जनपद पंचायत की बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा, लंबित काम 10 दिन में पूरे करें, वर्ना कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही जो कर्मचारी काम नहीं कर रहे, उनके नाम भी भेजे। जिला पंचायत सभागार में हुई बैठक में सीईओ सुश्री तिवारी ने कहा, पीएम आवास एवं मनरेगा के लंबित कार्य 10 दिन में पूरे किए जाए। ऐसा नहीं होने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। सीईओ ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन एवं 15वें वित्त आयोग के कार्यों के साथ जल-जीवन मिशन के कार्य एवं संपर्क संबद्धता एप्लीकेशन के माध्यम से मजरे टोले को जोड़े जाने के संबंध में सर्वे कार्य को लेकर भी निर्देश दिए। बैठक में योजनावार समीक्षा के दौरान मनरेगा अंतर्गत नरोन्हा सांकल ग्राम के बोल्डर चेक के लंबे समय से लंबित कार्य पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एई, उपयंत्री एवं सचिव व रोजगार सहायक पर नाराजगी जाहिर की गई। उन्हें एक सप्ताह में काम पूरा करने को कहा। इस दौरान जनपद सीईओ शंकर पांसे से कहा कि जनपद के जो अधिकारी-कर्मचारी काम नहीं करते हैं, उनके विरुद्ध प्रस्ताव बनाकर भेजे। ताकि, कार्रवाई की जा सके। बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अधिकारी जितेंद्र अहिरवार भी मौजूद थे।

बोलीं-जो काम नहीं कर रहे उनके नाम भेजे

भोपाल में अब कपड़े के थैलों की मशीन

10 रुपए का सिक्का डालते ही मिलेगा थैला

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल में अब कपड़े के थैलों की मशीनें लगाई गई हैं। जिनमें 10 रुपए का सिक्का डालते ही थैला मिल जाएगा। शुक्रवार को न्यू मार्केट से इस सुविधा का शुभारंभ किया गया।

महापौर मालती राय और निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि भोपाल को एक बाद उपयोगी पन्नी मुक्त बनाएंगे। इसलिए यह नवाचार किया गया है। न्यू मार्केट के अलावा बोट क्लब, संजोग अपार्टमेंट, कोलार रोड, प्रगति पेट्रोल पंप एमपी नगर, बिट्टन मार्केट, 10 नंबर मार्केट, बजरंग चौक, यूएडीडी के सामने और विजय मार्केट में भी यह थैला वेडिंग मशीन लगाई गई हैं। ग्राहक व्यवसायिक क्षेत्र में सामग्री क्रय के लिए इन मशीनों में 10 रुपए का सिक्का डालकर कपड़े का थैला प्राप्त कर सकेंगे। यह मशीनें एक प्राइवेट फाइनेंस बैंक की मदद से स्थापित की गई हैं।

महापौर श्री राय ने कहा कि कपड़े के थैले की मशीनें स्थापित होने से नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना पड़ेगा। इन मशीनों के माध्यम से कपड़े के थैले लेकर बाजार से खरीदारी कर सकेंगे। अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, बृजुला सचान, रीजनल मैनेजर प्रत्युष शुक्ला, बैंक मैनेजर प्रदीप पांडे, न्यू मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष नानक सिंह दुआ आदि मौजूद थे।

भोपाल केन्द्रीय जेल के विचाराधीन कैदी की मौत

रायसेन जेल से किया था शिफ्ट

भोपाल,देशबन्धु। सेंट्रल के विचाराधीन बंदी की शुक्रवार तड़के संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बताया गया है कि उसे पेट की तकलीफ के बाद हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि जेल में चिकित्सक उसे प्रताड़ित करते थे। उनके साथ बीमारी के दौरान मारपीट की गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश चंद्र जैन उम्र 42 वर्ष बाड़ी जिला रायसेन में रहते थे और पेशे से पत्रकार थे। बताया गया है कि बाड़ी पुलिस ने अड़ीबाजी के मामले में उन्हें जेल भेजा। स्वास्थ्य कारणों के चलते उन्हें रायसेन जेल से भोपाल जेल स्थानांतरित किया गया था। 14 फरवरी से भोपाल जेल में बंद थे। उनके लिवर में तकलीफ थी। तकलीफ के बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी शुक्रवार तड़के मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जेल प्रशासन पर प्रताड़ना का आरोप

मृतक की पत्नी चांदनी जैन का आरोप है कि जेल प्रशासन द्वारा पति को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। जेल के अस्पताल में जांच के लिए पहुंचे तो चिकित्सक ने उन्हें अपशब्द कहे। यहां तक की उनकी बीमारी को झूठा बोला और मारा-पीटा भी गया। जेल में हर बार मुलाकात होने पर वह यह शिकायत करते थे। जेल में उनके साथ दुर व्योहार करने को लेकर हमने सीएम हैल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी।

निगरानी बदमाश की शिकायत पर केस दर्ज किया था

भाई सुरेंद्र जैन का आरोप है कि बाड़ी पुलिस ने अड़ीबाजी के झूठे मामले में प्रकाश चंद्र को जेल भेजा। जिस रितिक जैन की शिकायत पर प्रकाश को अड़ीबाजी का आरोपी बनाया गया वह स्वयं थाने का सूचीबद्ध बदमाश है। क्योंकि भाई पत्रकारिता के माध्यम से समय-समय पर स्थानीय पुलिस के भ्रष्टाचार को उजागर करता था, इस कारण उसे फंसाया गया और जेल भेजा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

वित्तीय अनियमितता के दोषी दो कर्मचारियों को सेवा से पदच्युत किया गया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। तहसील कार्यालय डोलरिया में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 में पाई गई वित्तीय अनियमितता में श्री अमित लौवंशी सहायक ग्रेड-3 एवं श्री आशीष कहार भृत्य तहसील कार्यालय डोलरिया को सेवा से पदच्युत किया गया।

संभागीय संयुक्त संचालक, कोष एवं लेखा, भोपाल तथा नर्मदापुरम संभाग, भोपाल के प्रतिवेदन अनुसार तहसील कार्यालय डोलरिया में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक के भुगतानों की जांच हेतु गठित जांच दल के जांच प्रतिवेदन में राशि रूपये 2 करोड़ 23 लाख 33 हजार 863 रुपए के वित्तीय अनियमितता पाये जाने के कारण तहसील डोलरिया में पदस्थ श्री अमित लौवंशी, सहायक ग्रेड-3 एवं श्री आशीष कहार भृत्य के द्वारा उक्त राशि का कपटपूर्ण आहरण कर शासन को वित्तीय अनियमितता पहुंचाने संबंधी घोर लापरवाही बरते जाने पर निलंबित किया जाकर दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 14 के अन्तर्गत विभागीय जाँच संस्थित गई थी।

विभागीय जांच में अधिरोपित आरोप पूर्णत: सिद्ध होना पाये जाने एवं पक्ष समर्थन हेतु संपूर्ण अवसर दिये जाने के उपरांत कार्यालय तहसील डोलरिया में हुए वित्तीय अनियमितता संबंधी कदाचार एवं शासकीय दायित्वों के निर्वहन में अनुशासनहीनता के दोषी होने व शासकीय सेवा हेतु उपयुक्त नहीं होने के फलस्वरूप श्री अमित लौवंशी सहायक ग्रेड-3 एवं श्री आशीष कहार भृत्य तहसील कार्यालय डोलरिया को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम 10 (नौ) के प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से सेवा से पदच्युत किया गया है।

एम.पी. ट्रांसको इटारसी के दिलीप कोरी दिल्ली में हुये सम्मानित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 4 मेंटेनेंस कार्मिको को भारत पर्यावस केन्द्र दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस 2025 में कंपनी का प्रतिनिधत्व करने पर सम्मानित किया गया। जिसमें इटारसी के हाट लाइन मेंटेनेंस में माहिर दीपक कोरी भी शामिल हैं। इसके अलावा एमपी. ट्रांसको भोपाल के सहायक अभियंता श्री अंकित मेहरोलिया, जबलपुर के मेंटेनेंस कर्मी कमलेश कुमार रंजन, एवं माहिदपुर से मानसिंह को सम्मानित किया गया। सम्मानित कार्मिकों ने इस अवसर पर एम.पी. ट्रांसको में ट्रांसमिशन लाइन एवं एक्सट्रा हाईटेंशन सबस्टेशनों में किये जा रहे मेंटेनेंस की कार्यशैली और अपने विभिन्न अनुभवों को साझा किया। अंकित मेहरोलिया ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन पेट्रोलिंग, वेयर हेंड टेक्निक से किये जा रहे मेंटेनेन्स कार्य आदि के विषय में विस्तार से बताया।

इंटरनेशनल यूरो किड्स प्ले स्कूल में वार्षिक उत्सव

हरदा, देशबन्धु। इंटरनेशनल यूरो किड्स प्ले स्कूल में नन्हे मुन्ने बच्चों ने यूरो किड्स की वार्षिक उत्सव की (जंगल सीन) थीम पर डांस टू योआर बीट्स पर उत्कृष्ट कलाओं का प्रदर्शन किया। बच्चों ने वन्य प्राणी तोता, मोर, कौआ, जिराफ, बंदर आदि के वेष में उड़ी-उड़ी जाये गाने पर मनमोहक प्रस्तुति दी। जिससे यूरोकिड्स सेंटर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लिटिल किड्स ने जहां नृत्य कला का अनूठा प्रदर्शन किया, वहीं आध्यात्मिकता की भी मिसाल पेश की। तीन से चार वर्षों के बच्चों ने हनुमान चालीसा, गायत्री मंत्र, गीता श्लोक, राम स्तुति कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगम जैन ने संबोधित करते हुए हर्ष व्यक्त किया की जो शिक्षा विदेशों एवं बड़े शहरों जैसी सुविधाएं अब यूरो किड्स सेंटर हरदा में भी उपलब्ध है। विशेष अतिथि श्रीमती सुमन राठी एवं श्रीमती अंजू भायरे लायंस क्लब ने यूरोकिड्स टेक्निकल शिक्षा की दिल से प्रशंसा की। क्योंकि इस टेक्निक से छात्रों का होलिस्टिक डेवलपमेंट (सर्वांगीण विकास) होता है। सेंटर हेड अर्जुनसिंह चौहान ने यूरो किड्स का आठवां संस्करण यूरेका को विस्तार से समझाया। अंत में फूलों से रंगों का पर्व होली खेलकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार दृढ़ संकल्पित : दर्शन

लाडली बहना योजना महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण :माया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज शासकीय एसएनजी स्टेडियम मैदान में शौर्य शक्ति स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नगरपालिका अध्यक्ष नर्मदापुरम श्रीमती नीतू यादव, श्रीमती अर्चना पुरोहित, विधायक प्रतिनिधि श्रीमती सीमा तिवारी उपस्थित रही। जिला प्रशासन से कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सोजान सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम ब्रजेंद सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम ललित कुमार डेहरिया, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी द्वारा समस्त उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा कृषक, स्वसहायता समूह, बैंक सखी, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रो में अपने बेहतर कार्यो का प्रदर्शन किया है। महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को सबल एवं आत्मनिर्भर बनाए जाने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार दृढ़ संकल्पित है। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया द्वारा समस्त उपस्थित महिलाओ को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओ के बेहतर भविष्य एवं सशक्तिकरण हेतु दृढ सकल्पिंत है। शासन की योजनाओ के बेहतर क्रियान्वयन का ही परिणाम है कि हर क्षेत्र में महिलाएं अपना बेहतर प्रदर्शन कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार की लाडली बहना योजना महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कहा कि हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि महिलाओं को सम्मान देने एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को याद करने के लिए केवल एक महिला दिवस दिन ही सीमित न हो। अपितु महिलाओं तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को हर रोज याद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज के तौर पर यह हम सबकी जवाबदारी है कि साल के प्रत्येक दिन हम महिलाओं को सम्मान एवं समान अवसर दे, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए जहां वे अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सके और अपने आप को सिद्ध कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि बात जब महिला सशक्तिकरण की होती है तब केवल महिलाओं को शिक्षित करना या उन्हें रोजगार जैसी अन्य गतिविधियों में अवसर प्रदान करने से ही सशक्तिकरण नहीं होगा बल्कि इसके लिए हमारे पुरुष समाज को भी संवेदनशीलता दिखाते हुए महिलाओं को समाज में परस्पर स्थान देना होगा। तभी हम एक संतुलित, सुरक्षित और संपन्न समाज का निर्माण कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय सेवा में होने के कारण महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां के साथ कार्य करना पड़ता है। इसी के साथ एक महिला मां होने की, बहन होने की, बेटी होने की तथा किसी की अर्धांगिनी होने की जिम्मेदारियां का भी ईमानदारी से निर्वहन करती है जोकि दुनिया की सभी जिम्मेदारियां से बढ़कर है। कार्यक्रम में अजीविका मिशन के माध्यम से स्वसहायता समूहो से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी श्रीमती पूजा चंद्रशेखर प्रजापति ग्राम रूपादेह एवं श्रीमती मालती प्रधान ग्राम पलासी शिवशक्ति स्वसहायता समूह द्वारा अपने अनुभव साझा किये गये। कार्यक्रम में मंच संचालन एवं खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम ग्रामीण प्रमोद गौर, विकासखंड समन्वयक श्रीमती आरती शर्मा,अश्विनी मालवीय शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ललित कुमार डेहरिया द्वारा किया गया।

शौर्य शक्ति स्पर्धा का हुआ आयोजन - कार्यक्रम में महिला अधिकारियो/कर्मचारियो हेतु क्रिकेट मैच, रस्साकसी, कुर्सी दौड़ एवं चम्मच दौड जैसी खेल प्रतियोगिताऐं आयोजित की र्ग। क्रिकेट मैच में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चैहान, की कप्तानी में टीम शक्ति एवं श्रीमती वंदना रघुवंशी की कप्तानी में टीम शौर्य के बीच मैच खेला गया। जिसमें टीम शौर्य विजेता रही एवं टीम शक्ति नें द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार रस्साकशी में टीम महिला एवं बाल विकास एवं टीम जिला प्रशासन के बीच मैच खेला गया। जिसमें टीम महिला एवं बाल विकास नें प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड एवं चम्मच दौड में विभिन्न विभागों में पदस्थ महिला अधिकारी/कर्मचारियों ने सहभागिता दी। कुर्सी दौड़ में श्रीमती वैशाली मेहतो ने प्रथम, श्रीमती विजेता त्रिवेदी ने द्वितीय एवं श्रीमती वर्षा चैरे ने तृतीय एवं सुश्री मृगी अग्रवाल को सात्वंना पुरूस्कार दिया गया। चम्मच दौड़ में श्रीमती सीमा तिवारी, माध्यमिक शिक्षक ने प्रथम, श्रीमती रंजना गावड़े ने द्वितीय एवं श्रीमती चित्रा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओ को ट्राफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महिला अधिकारी, कर्मचारी का हुआ सम्मान - श्रीमती परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम शहरी प्रीति यादव, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चैहान, श्रीमती अमृता दीक्षित प्लाटून कंमाडर श्रीमती आरती शर्मा, ब्लाक समन्वयक, श्रीमती अनुष्का मालवीय, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभिन्न विभागों- पुलिस, नगरपालिका, स्वास्थ्य, खेल, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, उद्योग, जिला पंचायत आदि में अपने पदीय दायित्वो के निर्वहन में सराहनीय कार्य करने वाली महिला अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का हुआ अयोजन

24 खण्डपीठों ने निपटाये 2061 मामले

नर्मदापुरम, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देषानुसार एवं प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश के नेशनल लोक अदालत का अयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा जिला न्यायालय नर्मदापुरम सहित तहसील न्यायालयों इटारसी,पिपरिया,सोहागपुर,सिवनीमालवा में किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ मनोज कुमार (सीनि.) विषेष न्यायाधीश /नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत एवं दीपक कुमार गुप्ता, प्रधान न्यायाधीष द्वारा किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला न्यायाधीष जफर इकबाल,अभिनव कुमार जैन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार पाठक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट फिरोज अख्तर, जूनियर डिवीजन, श्रीमती प्रियंका रतोनिया, श्रीमती दिव्या मित्तल, सुश्री स्वाति कौषल, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती रूचि पाण्डेय, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ दीपक जैन, सचिव, जिला अभिभाषक संघ मनोज जराठे, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सतीष तिवारी, डिप्टी चीफ पंकज तिवारी, अनंत तिवारी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती पूजा अवस्थी, मंगल सिंह परिहार, पंखुरी बराड़िया, सुलहकर्ता सदस्य श्रीमती नेहा पाण्डे, सुश्री नेहा चंडालिया, योगेन्द्र पाल, षिवम दुबे, महेष कुमार बोहित, त्रिलोकनाथ गोयल, ऋचा तोमर, सलोनी अग्रवाल जिला अभियोजन कार्यालय के अधिकारीगण, विभिन्न विभाग के पदाधिकारी, जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम पैनल अधिवक्ता, मीडिएटर, पैरालीगल वालेंटियर एवं कार्यालयीन कर्मचारी एवं पक्षकार उपस्थित रहें।

नेशनल लोक अदालत में प्रस्तुत होने वाले प्रकरणों के निराकरण हेतु 24 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया था, जिनके द्वारा न्यायालयों में लंबित कुल 518 प्रकरणों का निपटारा किया गया, साथ ही विभिन्न विभागों से संबंधित 1583 प्रीलिटिगेशन प्रकरण निपटाये गये। इसी के साथ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में लगभग 61776992 रूपये के अवार्ड पारित किये गये, तथा विभागीय प्रकरणों में लगभग 1225-5361 रूपये की वसूली हुई। इस नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा, चैक बाउंस, शमनीय अपराध, वैवाहिक मामलें, विद्युत चोरी से संबंधित मामलों के साथ-साथ सिविल तथा राजस्व मामलें निपटारे के लिए रखे गये थे।

नेशनल लोक अदालत में प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय नर्मदापुरम दीपक गुप्ता के समक्ष लंबित भरण पोषण के प्रकरण सीता (परिवर्तित नाम) बनाम राम (परिवर्तित नाम) में पति-पत्नि दोनो के मध्य आपसी राजीनामा हो गया दोनो पति पत्नि आपस में करीब 9 माह से एक दुसरे से पृथक निवास कर रहे थे। दोनो का विवाह 21.04.2015 को सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ था। सीता के अनुसार उसके साथ राम छोटी छोटी बातो को लेकर विवाद किया करता था, शराब पीकर अपषब्दो का प्रयोग करता था, इस कारण सीतामजबुरी वष अपने मायके आकर रहने लगी थी, इसके बाद सीता द्वारा राम के विरूद्ध भरण पोषण हेतू मामला कुटुम्ब न्यायालय नर्मदापुरम के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। अदालत में दोनो के द्वारा प्रकरण में राजीनामा कर लिया और अंतत: दोनो आपस में रहने के लिये तैयार हो गई।

प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय के समक्ष लंबित एक अन्य प्रकरण जिसमें गीता (परिवर्तित नाम) बनाम राजेश (परिवर्तित नाम) के मध्य लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा हो गया और दोनो पति पत्नि आपस में दाम्पत्य जीवन निर्वाह करने हेतू तत्पर हुए। गीता और राजेश का विवाह दिनांक- 18.1.2023 को संपन्न हुआ था विवाह के बाद राजेश एवं उसके परिवार के लोग गीता को विवाह में कम दहेज दिया है कहकर परेषान करने लगे एवं शारीरिक मानसिक रूप से प्रताडित करने लगे जिससे मजबुरी वष गीता अपने मायके में 8.6.2024 से निवास कर रही थी, इसके बाद गीता द्वारा राजेश के विरूद्ध भरण पोषण हेतू प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय नर्मदापुरम के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की गई थी। राजेश द्वारा पत्नि गीता को अपने साथ रखने हेतू याचिका प्रस्तुत की गई, जिसके बाद अनावेदक के अधिवक्ताअनुप सिंह तोमर, ऋचा तोमर एवं सलोनी अग्रवाल द्वारा उभयपक्षो को सुलह समझाइष दिये जाने उपरांत दोनो ने प्रधान न्यायाधीष कुटुम्ब न्यायालय के समक्ष समझौता प्रस्तुत कर एक साथ दाम्पत्य संबंध निर्वाह किये जाने हेतू अपनी सहमति दी और अंतत: दोनो आपस में रहने के लिये तैयार हो गई।

एक अन्य मामले में तीन देवरो का उनकी भाभी से लडाई झगडा हो गया था, जिसमें देवरो द्वारा उनकी भाभी के साथ गाली गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके बाद भाभी द्वारा अपने देवरो के खिलाफ थाना-देहात नर्मदापुरम में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसका विचारण मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी फिरोज अख्तर द्वारा किया जा रहा था, जिसमें आज उभयपक्ष न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए। आरोपियों की भाभी द्वारा उदारता दिखाते हुए महिला दिवस के अवसर पर अपने तीनो देवरो को क्षमा करते हुए न्यायालय के समक्ष राजीनामा हेतु अपनी सहमति दी, जिसके आधार पर तीनो आरोपी देवरो पर लंबित मामला समाप्त किया गया।

मोटर दुर्घटना दावा के 10 प्रकरण निराकृत जिनमें 11775000 रुपये के अवार्ड पारित हुआ, चैक बाउंस के मामलें के 155 प्रकरण निराकृत जिनमें 35300696 रुपये के अवार्ड पारित हुआ, आपराधिक शमनीय प्रकरण के 163 प्रकरण निराकृत, वैवाहिक मामले के 48 मामलें निराकृत, विद्युत चोरी के 71 लंबित प्रकरण निराकृत 1009 प्रीलिटिगेशन निराकरण 1758155 रुपये की वसूली लंबित मामलों में तथा 8144490 रूपये की वसूली प्रीलिटिगेशन मामलों में, संपत्ति कर के -168 मामलों में 2017012, जलकर के 104 मामलों 948515 रुपए, बैंक रिकवरी के 27 मामलों में 812600 रुपये की वसूली प्रीलिटिगेशन मामलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के सचिव श्रीविजय पाठक ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में कुल 518 प्रकरणों का एवं विभिन्न विभागों के 1543 प्रकरणों का निराकरण किया गया लोक अदालत में पक्षकारों में व्याप्त मतभेद हमेशा के लिए खत्म हो गया है। लोक अदालत में पक्षकारों के धन एवं समय दोनों की बचत होती है तथा उसे लंबी न्यायिक प्रक्रिया से भी छुटकारा मिल जाता है।

हरदा जिले की 94 हजार महिलाओं के खाते में साढ़े 11 करोड़ रूपए राशि अंतरित की

हरदा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को लाड़ली बहना योजना की माह मार्च के लिए प्रदेश की 1.27 करोड़ लाभार्थी महिलाओं के खाते में लगभग 1552.73 करोड़ रूपये की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने हरदा जिले की 94152 महिलाओं के बैंक खातों में 11.47 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। इस दौरान जनपद पंचायत हरदा की 23926, जनपद पंचायत खिरकिया की 23112, जनपद पंचायत टिमरनी की 26118, नगर पालिका हरदा की 11733, नगर परिषद खिरकिया की 3568, नगर परिषद सिराली की 2316 तथा नगर परिषद टिमरनी की 3379 लाड़ली बहनों के खाते में राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, लाड़ली बहनाओं राशि अंतरण एवं रेवा शक्ति सम्मेलन का जिला स्तरीय कार्यक्रम होटल हवेली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक डॉ आर.के. दोगने, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश वर्मा, महिला बाल विकास विभाग की सभापति श्रीमती बिन्दु गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती राजेश्वरी महोबिया सहित नागरिक, लाड़ली बहना व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में विधायक डॉ दोगने ने कहा कि वर्तमान में हमारे देश में महिलाएं बड़े बड़े पदों पर विराजमान है, और उन्होंने हर पद पर अपना कर्तव्य बखूबी ढंग से निभाया है। उन्होने इस दौरान रेवा शक्ति अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन को शुभकामनाएं दी। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया ने कहा कि आज का दिन महिलाओं के लिए है, हर महिला शक्ति का रूप है। महिलाओं को अपने आप को किसी से कम नहीं समझना चाहिए। हमें पढ़ लिखकर अपने परिवार, जिले व देश का नाम रौशन करना है। श्रीमती कमेड़िया ने जिले की योजना रेवा शक्ति अभियान के लिये जिला प्रशासन को धन्यवाद किया। कलेक्टर आदित्य सिंह ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में महिला पीछे नहीं है, महिला अन्नपूर्णा होती है। हर क्षेत्र में महिला आगे है। हमारे जिले की सुरक्षा अधिकतर महिलाओं के हाथों में ही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा संचालित रेवा शक्ति अभियान भी महिलाओं और बेटियों के लिए शुरू किया गया है। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग की सभापति श्रीमती बिन्दु गुर्जर ने भी सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने रेवा शक्ति अभियान के बारे में बताया। इस अवसर पर महिला सशक्त वाहिनी अभियान एवं रेवा शक्ति अभियान पर केंद्रित फिल्म भी दिखाई गई।

रेवा शक्ति योजना के तहत मोबाइल एप लान्च किया - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले के नवाचार रेवा शक्ति अभियान से संबंधित मोबाइल एप अतिथियों द्वारा लॉन्च किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग संजय त्रिपाठी ने बताया कि इस एप में कीर्ति कार्ड'' धारकों एवं रेवा मित्रों की जानकारी होगी। इस एप से कीर्ति कार्ड धारकों को रेवा शक्ति अभियान के तहत छूट देने वाले रेवा मित्रों की जानकारी तथा उन्हें मिलने वाली सेवाओं व छूट की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया - कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं व बच्चों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से पोषण युक्त आहार तैयार करने के लिये जागरूक करने हेतु पोषण प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से पोषण आहार के संबंध में जानकारी ली।

महिला अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता व छात्राएं हुई सम्मानित - कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता व छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा, जिला गवर्नेंस प्रबन्धक सुश्री आयुषी विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती राजेश्वरी महोबिया, एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा तलया, खेल प्रशिक्षक श्रीमती मोनिका मेहता, खेल समन्वयक सुश्री सलमा खान, प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती सूचिता इक्का, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री उषा गोयल, श्रीमती रेखा विश्नोई, श्रीमती आभा तिवारी, श्रीमती गीता पाण्डे, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमती भावना रावत, सदस्य श्रीमती शिखा केशवरी, श्रीमती रूपाली पाण्डेय, श्रीमती दीपा टांक, श्रीमती दिव्या राजपूत, बेडमिंटन की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी गुंजन राजपूत, योगा खिलाड़ी प्रतीभा गुर्जर, कुश्ती की राष्ट्रीय स्तर खिलाड़ी सुश्री वंशिका विश्नोई व वेदिका विश्नोई सहित अन्य खिलाड़ियों, अधिकारी कर्मचारी व सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सर्व ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने महिलाओं का उनके कार्यक्षेत्र पहुंचकर किया सम्मान

हरदा, देशबन्धु। सर्व ब्राह्मण समाज संगठन ने शनिवार को महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत ब्राह्मण समाज की महिलाओं का सम्मान उनके घर,प्रतिष्ठान,ऑफिस पहुंचकर किया।

इस दौरान संगठन के अध्यक्ष सुनील तिवारी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को सम्मान कर हम गौरवान्वित महसूस कर रहे है,समाज की महिलाएं अनुकरणीय कार्य कर रही है। महामंत्री लोकेश शर्मा ने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है,वहां देवता वास करते है,समाज की सभी महिलाएं सम्माननीय है।इस दौरान अधिवक्ता रंजना भारद्वाज,ज्योतिष क्षेत्र से सरोज गुरु,समाज सेवी गीता पांडे,शिक्षा क्षेत्र से प्राचार्य संध्या तिवारी,हस्तकला क्षेत्र से अंकिता तिवारी,उद्यमी प्रियंका उपाध्याय,चिकित्सा क्षेत्र से डॉ शुभांगी अग्निहोत्री,व्यवसाय क्षेत्र से शिखा शर्मा,पुलिस विभाग से अनीता शर्मा,प्रियंका शुक्ला का सम्मान उनके कार्यक्षेत्र पहुंचकर किया।इस दौरान महिला इकाई अध्यक्ष विनीता राजोरिया, सचिव अदिति गुरु,अश्लेषा शुक्ला ने शाल,दुपट्टा, साफा पहनाकर सम्मान किया।इस दौरान उपाध्यक्ष रोहित तिवारी,महामंत्री उत्तम तेनगुरिया,युवा समाजसेवी नितेश बादर,युवा इकाई अध्यक्ष विवेक बादर,संदीप स्वामी,सुधा पुरोहित,पुष्पा शर्मा,शानू शर्मा,कंचन शर्मा,एकता शर्मा,ममता पाराशर,मनीषा डाले सहित समाजजन उपस्थित थे।

केंद्रीय जेल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 76 महिला बंदियों एवं 3 बच्चों का परीक्षण कर दिया उपचार

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय जेल नर्मदापुरम खंड-%अ% में निरुद्ध महिला बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार हेतु एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम की चिकित्सा टीम द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें महिला बंदियों एवं उनके साथ रह रहे बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम, जिसमें डॉ. ममता पाठक, डॉ. रिचा, डॉ. अंश चुघ, नर्स श्रीमती गीता चौधरी, फार्मासिस्ट श्रीमती खुश्बू एवं श्रीमती वंशिका साहू, ओ.टी. टेक्नीशियन श्री राहुल राव शामिल रहे, ने कुल 76 महिला बंदियों तथा उनके साथ रह रहे 03 बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक उपचार एवं दवाइयां प्रदान कीं। इस दौरान केंद्रीय जेल अधीक्षक श्री संतोष सोलंकी, उप अधीक्षक श्री प्रहलाद सिंह बरकड़े, सहायक अधीक्षक श्री हितेश बंडिया एवं श्री अर्पित चौधरी, मेलनर्स श्रीमती इंदू राज साहू सहित जेल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

इंडियन बैंक Indian Bank

इलाहाबाद ALLAHABAD

अंचल कार्यालय, सिविल लाइंस, जबलपुर - 482001
Ph: 0761-2624977. Email: zojabalpur@indianbank.co.in

परिशिष्ट - IV-A {(नियम- 9(1)} अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन)नियम, 2002 के नियम 9 (1) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम , 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। यह नोटिस आम जनता एवं उधारकर्ता (ओं)/गारंटीकर्ता (ओं) के लिए नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो कि सुरक्षित लेनदार को गिरवी /चार्ज की गई है, जिसका कब्जा इंडियन बैंक शाखा द्वारा ले लिया गया है, सुरक्षित लेनदार द्वारा राशियों और देय ब्याज की वसूली के लिए "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर आम जनता से निविदा का आमंत्रण कर ई नीलामी द्वारा विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। ई-नीलामी मोड के माध्यम से बिक्री के लिए लाई जाने वाली संपत्ति का विशिष्ट विवरण नीचे दिया गया है।

ई-निलामी की तिथि एवं समय
26-03-2025 11.00 AM TO 4.00 PM

क्र.	शाखा का नाम खाते का नाम ऋणि का नाम/ प्रोप./निदेशक/पार्टनर गारंटर / गिरवी रखने वाला	ई-निलामी हेतु संपत्ति का विस्तृत विवरण	बकाया राशि सम्पत्ति पर अन्य ऋण भार कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य ई.एम.डी. राशि बिड बढ़ाने राशि
1.	इटारसी शाखा 1. मेसर्स मुस्कान कैटर्स एंड सप्लायर्स (प्रोप्रा. - श्री राजू सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह) 2. श्री राजू सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह (उधारकर्ता और बंधककर्ता) उपरोक्त दोनो पता- मकान नंबर 19, वार्ड नं. 24, राज टाकीज के पीछे, बजरंगपुरा, इटारसी, जिला-नर्मदापुरम, म.प्र. 3. श्री सुनील सिंह पुत्र श्री उमा सिंह भदोरिया (गारंटर और बंधककर्ता) राज टाकीज के पास, पोटरखोली, इटारसी, जिला नर्मदापुरम, म.प्र Contact Person - Mr. Mrinal Saxena (BM) - 9675290054	आवासीय संपत्ति जिसका खसरा नंबर 323, 325, प्लाट नं. 5,6,16/1 एवं 16/2 क्षेत्रफल 3350 वर्ग फीट एवं 250 वर्ग फीट म्यूटेशन के बाद प्लाट नं. 16/1 एवं 16/2 क्षेत्रफल 2650 वर्ग फुट एवं प्लाट नंबर 5 एवं 6 क्षेत्रफल 950 वर्ग फीट, पीसी नंबर 13, शीट नंबर, 53, चित्र नंबर 33 वार्ड नंबर 34 पर स्थित है। 12 बंगला इटारसी, जिला नर्मदापुरम म.प्र. - 461111, कुल क्षेत्रफल 3600 वर्ग फीट, श्री राजू सिंह और श्री सुनील सिंह के नाम पर चतुर्सीमा - उत्तर - श्री भूरेलाल अग्रवाल की भूमि, दक्षिण- सड़क, पूर्व- मालिक की भूमि का अन्य भाग, पश्चिम- छगन सिंह का प्लाट Prop. Id. - IDIB10581489469N	Rs. 86,41,052 /- (as on 14.09.2023) + interest and other expenses ज्ञात नहीं सांकेतिक कब्जा	Rs 55,00,000/- Rs 5,50,000/- Rs 10,000/-

बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे हमारे ई-नीलामी सेवा प्रदाता पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (https://baanknet.com) पर जाएं। लिमिटेड ऑनलाइन बोली में भाग लेने के लिए। तकनीकी सहायता के लिए कृपया 8291220220 पर कॉल करें। पंजीकरण स्थिति और ईएमडी स्थिति के लिए कृपया support.baanknet@psballiance.com पर ईमेल करें।
संपत्ति के विवरण और संपत्ति की तस्वीर और नीलामी के नियमों और शर्तों के लिए कृपया देखें: https://baanknet.com और इस पोर्टल से संबंधित स्पष्टीकरण के लिए, कृपया पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड, संपर्क नंबर 8291220220 से संपर्क करें। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे https://baanknet.com वाली वेबसाइट पर संपत्ति खोजते समय ऊपर उल्लिखित संपत्ति आईडी नंबर का उपयोग करें।

दिनांक : 09/03/2025 प्राधिकृत अधिकारी , इंडियन बैंक

साहित्य

लावण्या गुप्ता : एआई और मशीन लर्निंग में एक उभरता हुआ सितारा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की तेज गति वाली दुनिया में एक नाम न केवल एक शोधकर्ता के रूप में बल्कि एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में भी सुर्खियां बटोर रहा है, वो नाम है लावण्या गुप्ता। जिनकी उपलब्धियां उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता से कहीं आगे बढ़कर हैं। पांच वर्षों से अधिक के औद्योगिक अनुसंधान अनुभव के साथ लावण्या गुप्ता ने एक एआई और एमएल विशेषज्ञ, शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है और इस मार्ग में कई प्रोफेशनल और छात्रों को प्रेरित किया है।

लावण्या गुप्ता की शैक्षणिक यात्रा प्रतिष्ठित धीरूभाई अंबानी इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर से शुरू हुई, जहां उन्हें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सौजन्य से राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार' (स्वर्ण पदक) और 'टीसीएस बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। । इन शुरुआती पुरस्कारों ने तकनीकी उद्योग में उनकी निरंतर सफलता के लिए मंच तैयार किया। अपनी क्षमता को पहचानते हुए, लावण्या गुप्ता ने कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय यूएसए में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मास्टर डिग्री हासिल की और एआई और एसएल की दुनिया में अपनी विशेषज्ञता को और परिष्कृत किया।

उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियाँ भी उतनी ही प्रभावशाली हैं। 2016 से 2019 तक एचएसबीसी में अपनी सेवा के दौरान, उन्हें परिवर्तनकारी एआई तकनीकों में उनके योगदान के लिए 'इनोवेशन स्टार अवार्ड' और 'राइज़ अवार्ड' से सम्मानित किया गया। आज, वह जेपीमॉर्गन चेज़ बैंक, सिएटल में सीनियर एआई/एमएल एप्लाइड साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं और मशीन लर्निंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में योगदान दे रही हैं।

लावण्या की शैक्षणिक और औद्योगिक उत्कृष्टता उनके विद्वतापूर्ण योगदान और शोध प्रकाशनों के माध्यम से अच्छी तरह प्रलेखित है, जो प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में उनके मजबूत कार्य को दर्शाते हैं। लावण्या ने अपना शोध एक प्रथम-लेखक पेपर के रूप में प्रतिष्ठित एम्पिरिकल मेथड्स इन नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग सम्मेलन में नवंबर 2024 में प्रकाशित किया। एसोसिएशन फॉर कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में एक कठोर पीयर-रिव्यू प्रक्रिया होती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि केवल उच्च-गुणवत्ता और नवीन शोध प्रस्तुत किए जाएं। इसकी स्वीकृति दर केवल 20॥ होने के कारण यह एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी सम्मेलन माना जाता है।

अपने शैक्षणिक और प्रोफेशनल योगदानों के अलावा लावण्या एक समर्पित मेंटर हैं। उन्होंने प्रमुख प्लेटफार्मों जैसे एक्सपर्ट्रॉन और डेटा-कैम्प पर पाठ्यक्रमों का डिजाइन किया और उन्हें प्रस्तुत किया, जहाँ उनके प्रोजेक्ट्स ने 75,000 से अधिक शिक्षार्थियों तक पहुँच बनाई। उनका ब्लॉग और एक प्रमाण है कि वह एआई ज्ञान को सभी के लिए सुलभ बनाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वह 2021 के 'विमेन इन कंप्यूटिंग एंड डेटा साइंस' ब्लॉगथॉन के विजेताओं में से एक थीं। वह कैगल पर भी सक्रिय योगदानकर्ता हैं, जहाँ उनका वेब-स्क्रैप किया गया गूगल प्ले स्टोर डेटासेट विश्व स्तर पर 10वें सबसे अधिक वोट वाले डेटासेट के रूप में रैंक करता है। इस पहल के माध्यम से वह एआई और एमएल को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास करती हैं :

AI समुदाय में एक सम्मानित आवाज़, लावण्या ने कई प्रतिष्ठित सम्मेलन और कार्यक्रमों में बोलने का अवसर प्राप्त किया है, जिनमें शामिल हैं :

- माइंडहैक! समिट
- इल्यूमिनेट AI मीटअप 2021
- विमेन इन डेटा साइंस 2021
- टेन्सरफ़्लो यूज़र ग्रुप सत्र
- एस हैक 4.0 गेस्ट स्पीकर 2025
- एलएलएम ओपीएस शिखर सम्मेलन 2025 (टीबीए)
- एमएल ओपीएस विश्व सम्मेलन और एक्सपो 2025 (टीबीए)

लावण्या गुप्ता मेंटरशिप के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अनीता बोर्ग मेंटर 2022, बोर्ड इन्फिनिटी, मेंटरशिप प्रोग्राम और Topmate.io (शीर्ष 1 मेंटर) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वाकांक्षी एआई प्रफेशनल का मार्गदर्शन किया है। इन पहलों में उनकी भूमिका ने एआई, एमएल समुदाय में एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है।

उनकी सर्वांगीण उत्कृष्टता की कहानी 2006 की है जब उन्हें अंग्रेजी समाचार पत्र 'टाइम्स ऑफ इंडिया' द्वारा 'स्पाइस गर्ल' (शैक्षणिक उत्कृष्टता और बहु-कार्य व्यक्तित्व का एक दुर्लभ संयोजन) कहा गया था और उनके 11 अक्टूबर, 2006 के संस्करण में उनकी उल्लेखनीय यात्रा को कवर किया गया था।

आज उसी खिताब को सही ठहराते हुए वह एक प्रशिक्षित भारतीय शास्त्रीय नर्तकी (भरतनाट्यम) हैं। उन्होंने इस जटिल कला रूप में महारत हासिल करने में सात साल बिताए हैं, जिसने उन्हें अनुशासन, ध्यान और रचनात्मकता विकसित करने में मदद की है- ये वे लक्षण है जो वह एआई/एमएल में अपने काम में लाती हैं। उन्होंने सिएटल, यू. एस. ए. में भी कई मंच प्रदर्शन दिए हैं। इसके अलावा, वह एक कुशल टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्वविद्यालय और जिला स्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं।

जैसे-जैसे एआई और एमएल भविष्य को आकार देना जारी रखते हैं, ऐसे ही लावण्या गुप्ता नवाचार को आगे बढ़ाती हैं और प्रौद्योगिकीविदों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करती हैं। अनुसंधान, शिक्षा और मार्गदर्शन के प्रति अपने समर्पण के साथ, वह निस्संदेह एक आधुनिक युग की पुनर्जागरण महिला हैं।

हास्य-व्यंग्य

अरे ओ सांभा कब है होली?

■ विनोद कुमार विक्की

'अरे ओ सांभा कितने आदमी थे रे?' हथेली पर खैनी रगड़ते हुए गब्बर ने प्रश्न किया।

'सरदार दो' सामूहिक रूप से सभी ने जवाब दिया।

'सूअर के बच्चों मैं रामगढ़ की नहीं, बल्कि महाकुंभ के बारे में पूछ रहा हूँ।' गब्बर गुस्से से बोला।

'वो सरदार आपका यह प्रश्न सुनकर हर कोई कन्फ्यूज हो जाता है। दरअसल 'सरदार दो' जवाब वाले आपके इस प्रश्न का जवाब रामगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश को मालूम हो गया है। एक मिनट जरा गूगल सर्च कर लूँ, लैपटॉप पर सर्च करते हुए सांभा आगे बोला सरदार पैसठ करोड़।'

'पय...सठ करोड़। महाजाम और रेल पथराव के बीच शाही स्नान छः और नहाने वाले पयसठ करोड़ बड़ी नाइंसाफी है। तब तो गुज्जर भी आया होगा!' गब्बर आश्चर्य भाव से पूछा।

नहीं सरदार। सांभा आश्वस्त होकर बोला।

'तब काहे का मेला जब गुज्जर ही नहीं आया...

वैसे होली कब है?' होठों के बीच खैनी रखते हुए गब्बर ने अगला प्रश्न किया।

कालिया (सिर खुजलाते हुए) 'इस साल बड़ा कन्फ्यूजन है सरदार। कोई कह रहा है 13 मार्च तो कोई 14 मार्च...'

'यह दो दिन वाला क्या तमाशा है बे?' गब्बर चिढ़ कर पूछा।

'सरदार भद्रा का प्रकोप।' सामूहिक जवाब आया।

'खैर यह बताओ कि इस बार क्या तैयारी की है रामगढ़ वालों? ने?' गब्बर ने अगला सवाल किया।

सरदार सभी ने जमकर तैयारी कर रखी है।

पत्थर पर बैठते हुए गब्बर पूछा-'ऐसा क्या?'

कंधे पर रायफल टिकाते हुए कालिया बोला-' जी काफी व्यस्त शैडयूल है गाँव वालों का। सभी गाँव वालों ने 5-जी अनलिमिटेड वाला डाटा पैक भरवा लिया है। होलिका दहन से लगातार दो दिनों तक सोशल मीडिया पर बधाई और शुभकामना संदेश भेजने तथा पिचकारी,रंग, गुझिया, पुआ-पकवान की तस्वीरें एक-दूसरे को व्हाट्सएप्प पर फारवर्ड करने का प्लान कर रखा है।

'आक थू, यह कौन सा प्लान है भाई, मोबाइल-मोबाइल पर सूखी बधाई... हम तो खुब जमकर रंग गुलाल उड़ाएंगे।%

'लेकिन सरदार सेव वाटर और रंग गुलाल से होने वाले केमिकल रिएक्शन को देखकर होली बहिष्कार की मुहिम भी चलाई गयी है।' सांभा ने चेताया।

'अब ठाकुर ने यह कौन सी नई चाल चल दी है! % गब्बर सशंकित हो कर पूछा।

'सरदार, ठाकुर या जय-वीरू ने नहीं, तथाकथित कुछ बुद्धिजीवियों ने होली के दौरान सेव वाटर का प्रोपेगैंडा चला रखा है।' सांभा ने स्थिति स्पष्ट की।

'घोर संकट है यार...अरे होली में कम से कम कंटीली नचनिया की व्यवस्था तो कर लो!' गब्बर निराश भाव से बोला।

'टेंशन नहीं लेने का सरदार, मेटा इंस्टाग्राम पर सारा दिन रील्स देखने का उत्तम प्रबंध कर लिया गया है। होली और भोजपुरी गीतों पर एक से बढ़कर एक बसंती बिना थके ठुमका लगाते हुए नजर आ जाएगी।' इतना बोल कर सांभा लैपटॉप पर 'हैप्पी होली' का मैसेज टाइप करने और डिजिटल होली की तैयारी में लग गया।

बांगा जी खेलो कीचड़ होली...

■ मुकेश राठौर

होली को लेकर बांगा जी के अनुभव हमेशा से ही कड़वे रहे हैं। बात उन दिनों की है जब वे चौथे दर्जे में पढ़ते थे। दोस्तों के साथ गोबर की होली खेलकर गांव नाले पर नहाने गए तो कोई कपड़े चुरा ले गया। मजबूरन मित्रमंडली के सुरक्षा घेरे में नंग-धड़ंग छुपते-छुपाते घर लौटे। जैसे कोई बड़े नेता चले आ रहे हो। वैसे बचपन में नंगेपन पर इतना लजाने की कतई जरूरत नहीं थी लेकिन वो अलग दौर था जब बड़े क्या बच्चे भी नंगाई से डरते थे। सो ऐसे लजाये कि न महीने भर स्कूल गए और न ही अगले चार साल होली खेली।

किशोरावस्था में कदम रखा तो होली खेलने का मन होने लगा हिम्मत कर अपने से आठ बरस बड़ी एक दीदी को रंग लगा आए,जो पहले से होली के बहिष्कार का मन बनाकर बैठी थी । फिर क्या था दीदी,उनके पिताजी और इनके पिताजी ने पंचायती रूप से बांगा को होली की इतनी शुभकामनाएं दी कि बिन रंगाए गाल लाल हो गए । यह वह अवसर था जिसने बांगा के मन में होली को लेकर भयंकर कड़वे अनुभव भर दिए । इतने कि कभी भी करेले हो सकते थे ।

किशोर से युवा हो रहे बांगा इससे पहले कि वे प्यार की पिच पर जमकर चौके,छक्के उड़ाए,पिताजी ने रिश्ता पक्का कर बांगा के हाथ से कबूतर उड़ा दिए ।बीवी का नाम तो था प्रेमलता लेकिन प्रेम के ढाई अक्षर क्या सवा अक्षर तक नहीं पढ़ पाई थी बेचारी । बांगा ने बताया कि अपन भी तुम्हारे जैसे ही है । ब्याह बाद पहली होली पर बांगा जी ने दोस्तों को घर नाश्ते पर बुलाया । प्रेम भाभी ने बड़े प्रेम से पालक वाले भजिए का बेसन घोल कर 'चौखली' वाला चूल्हा जलाया ही था कि बांगा जी की मित्र मंडली आ धमकी। सीधे धावा बोला। नीला, पीला, लाल, गुलाबी। बांगा जी पर रंग डालने गए और छीना झपटी में बाल्टी का मुंह चूल्हे की तरफ़ हो गया। माने रूसी मिसाइल यूक्रेन की जगह पोलैंड पर। बस क्या था चूल्हा तो बुझ गया मगर भाभी के सीने में आग लग गई। भाभी ने भजिए का बेसन जन्मदिन के केक की तरह देवरों के मुंह पर चुपड़ डाला। एक बार फिर बांगा जी ने होली और यारों से तौबा ही कर ली । जब भी होली आती भूमिगत हो जाते। समय बीता । वे दो बेटों के पिता बने। बेटों के ब्याह हुए। फिर वही होने लगा,जो घरों में होता है। एक दिन सास-बहू का गृहयुद्धअपने उच्चतम शिखर को छू गया। बांगा जी के द्वारा मध्यस्थता न करने से दुखी उनकी बीवी झोला भरकर मायके चल दी। झगड़ों में अब दर्शक होना भी आसान नहीं रहा या तो आप भी लड़ो या बीच बचाव करो। महीने साल बने मगर वह न आई। अपने ससुर को अंतिम विदाई देने भी नहीं। कुछ दिन बाद बेटे-बहू अलग हो गए। बीड़ी फूंकने के समय में चूल्हा फूंकने की नौबत आई। जब-जब चूल्हे पास जाते उन्हें बीवी की याद आती 'मेरा चूल्हा पड़ा रे सुनसान तुझे मेरे गीत बुलाते हैं' मगर अब क्या हो सकता था।

पिताजी के बाद की पहली होली आ गई। दुख का रंग डालने वाले रिश्तेदारों में पाया उसकी बीवी भी आ गई। वो भी हमेशा के लिए। बांगा जी के बेरंग जीवन में जैसे हजारों टेसू के फूल खिल गए और लाखों महुआ फूल खिलकर बिखर गए,जैसे प्रेमलता ने झाड़ पर चढ़कर झड़झड़ा दिए हो । होली आई तो यारों को भी आना ही था । वे बांगा जी के चेहरे की चमक देख एक बार फिर उनसे होली खेलने की जिद करने लगे । खुशी का मौका था,बांगा जी तैयार हो गए ।लेकिन चेताया कि कीचड़ होली नहीं, हां। होलियारों ने कहा तो फिर हमारी भी एक शर्त है होली की गेर में आप गधे पर बैठ जाए। बांगा जी तैयार हो गए ।विचारा खुद पर कीचड़ उछलवाने से गधे पर बैठना अच्छा। उन्हें जूतों की माला पहनाकर गधे पर बैठाया गया। देखा तो प्रेम भाभी की भी हंसी निकल गई। अब तो बांगा जी जिंदगी भर गधे पर बैठे रहना चाहते थे। गांव की गलियों से होते गेर अमराई की तरफ बढ़ रही थी, जहां दाल-बाटी की आयोजना थी। तभी किसी ने पटाखे की लड़ी गधे के पैरों बीच फेंक दी। गधा ढेंचू,ढेंचू करते भागा और सीधे हौज के पास भरे डबरे में लोट लगाने लगा,बांगा जी भी...। होलियारे बुक्काफाड़ हंसते रहे । बांगा जी खेलो कीचड़ होली।

'घुमक्कड़ी'- सुध-बुध खोकर आप लेखिका के साथ-साथ चलते हैं

■ स्मृति आदित्य

'घुमक्कड़ी' एक किताब नहीं नशा है और नशा भी ठीक वैसा ही जैसा घुमक्कड़ी में होता है। मनीषा कुलश्रेष्ठ का यात्रा संस्मरण 'घुमक्कड़ी- अंग्रेज़ी साहित्य के गलियारों में' जब उठाया तो पिछले पाठकीय अनुभवों के आधार पर मानस को तैयार कर ही लिया था कि इसमें है कुछ ख़ास और यक़ीनन मनीषा जी की लेखनी ने मानस को वही असीम तृप्ति दी जिसकी आशा बँधी थी। यह किताब सिर्फ यात्रा संस्मरण नहीं है यह एक संवेदनशील मन के साथ शेक्सपियर, वर्ड्सवर्थ, कीट्स, कॉलरिज, जेन आस्टेन जैसे कई कलमकारों को मन की गहराइयों से अभिस्पर्श करने का सुअवसर और सौभाग्य देती है।

जिस तन्मयता से इस किताब को लिखा गया है मेरे पाठक-मन ने उसी तल्लीनता से उसे पढ़ा और कहने से बच नहीं सकूँगी कि नशा अब भी तारी है... और मैं उसे दुबारा पढ़ रही हूँ उसी मनोयोग के साथ।

मनीषा कुलश्रेष्ठ की पूर्व प्रकाशित किताब 'होना अतिथि कैलाश का' पढ़कर मुझे कई दिनों तक कैलाश मानसरोवर के सपने आए और इस किताब के बाद मैं यक़ीन से कह सकती हूँ कि अब अंग्रेज़ी साहित्य के गलियारों में मेरा मन अटकता-भटकता रहेगा।

किताब की सबसे आकर्षक बात है मनीषा कुलश्रेष्ठ के कहन की सम्मोहित कर देने वाली जीवंत शैली। यूँ लगता है जैसे जो वे अनुभूत कर रही हैं वह सब हमारे भीतर पर्त दर पर्त उतर रहा है। और हर वह मशहूर किरदार आपको उसी तरह रोमांचित करता है जैसे रचनाकार ने महसूस करते हुए और फिर शब्दों में बाँधकर हम तक पहुँचाते हुए किया होगा।

अगर आपने अंग्रेज़ी साहित्य को पढ़ा है तो निश्चित रूप से कल्पना में आपने उन रचनाकारों की जीवनशैली को उकेरा होगा, यह किताब उसी कल्पना को सुंदरता और सहजता से साकार करती है और सार्थक रंग भी देती है।

सुध-बुध खोकर आप लेखिका के साथ-साथ चलते हैं, थकते हैं, रुकते हैं, दौड़ते हैं, मुस्कुराते हैं, भीगते हैं। यही तो यात्रा संस्मरण की सफलता है कि आप आप नहीं रहते हैं आप जादू भरी अनोखी दुनिया में किताब के माध्यम से प्रवेश कर जाते हैं। जब आप कीट्स के घर में होते हैं तो आपको उनकी पंक्तियाँ धुँधली सी याद आती हैं और चमत्कार तो तब होता है कि

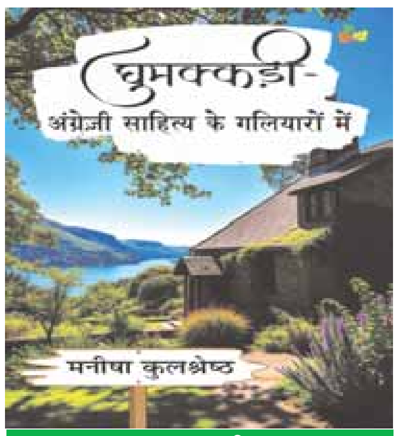

पुस्तक समीक्षा

समीक्षक- स्मृति आदित्य
घुमक्कड़ी - (अंग्रेज़ी साहित्य के गलियारों में)
यात्रा संस्मरण
लेखक - मनीषा कुलश्रेष्ठ
प्रकाशक- शिवना प्रकाशन, सम्राट कॉम्प्लैक्स बेसमेंट, बस स्टैंड के सामने, सीहोर मप्र 466001
मूल्य- 350 रुपये
प्रकाशन वर्ष- 2025

वही पंक्तियाँ अगले पेज (पेज 52) पर आपको छपी हुई मिलती है।

मनीषा कुलश्रेष्ठ इसमें लिखती हैं- मैं उत्साह से भरी हुई थी और मिलने विषाद से आई थी। कीट्स हाउस आकर यह तो तय था लौटना उदास होगा। एक युवा कवि जो अपना बेहतरीन लिखकर अपने वतन से दूर इटली में एक शांत सीले घर में, उस ज़माने की घातक बीमारी ट्यूबरक्यूलोसिस से जूझता हुआ महज 25 साल की उम्र में उस चहल पहल को छोड़कर चला गया जो उसके होने से थी।

मनीषा सिर्फ उन विशिष्ट जगहों पर जाकर हमें वहाँ की ख़ुशबू से सराबोर ही नहीं करती बल्कि वे संबंधित सवाल भी उठाती हैं और जवाब भी खोजती हैं। वे कोरी भावुकता से बचकर अपने स्तर पर विमर्श भी करती हैं, सोच को उद्वेलित करती हैं तो कभी अपनी पलकों की कोर से छलकी बूँद से हमारी मन धरा को सींच जाती हैं...

डिकेंस और कैथरीन के रिश्तों का गणित उन्हें बेचैन कर देता है-

"डिकेंस ने दावा किया कि कैथरीन बाद में एक अक्षम माँ और गृहणी बन गई थी और 10 बच्चे भी उनकी ज़िद का नतीजा थे...

वे अपनी डिकेंस के प्रति सम्मान की भावना को क़ायम रखते हुए भी सवाल कर उठती है.. इतने बरसों घर सहेजने वाली कैथरीन अचानक अक्षम गृहणी कैसे हो गई? क्या बच्चे एकतरफ़ा ज़िद से होते हैं? एक महान लेखक के कितने मूर्खतापूर्ण आरोप थे!"

इस किताब की महीन कारीगरी आपको उलझाती नहीं बल्कि रेशों-रेशों की कोमलता से अवगत कराती है। चाहे आर्थर कौनन डायल के गढ़े किरदार शरलॉक होम्स हों या टाइटैनिक का मार्मिक यथार्थ.. मनीषा की कलम उन्हें इस ख़ूबी से पाठक के सामने लाती है कि उनके अपने विचारों के नन्हे अंकुरण भी लहलहाते रहें और आँखों देखे जो स्निध फूल उन्होंने सँजोये हैं उनकी दृश्यावली भी घूमती रहे।

इस किताब के माध्यम से लेखिका ने यात्राओं के ज़रिए अपने प्रिय विदेशी लेखकों-शख़्सियतों को क़रीब से देखने-जानने और महसूस करने का जो अनुभव सहेजा है उसे कई गुना ख़ूबसूरती से अभिव्यक्त भी किया है। अनुभूतियाँ अक्सर अभिव्यक्ति की पगडंडियों में अर्थ बदल देती हैं लेकिन यह किताब इस मायने में श्रेष्ठ कही जाएगी कि यहाँ अभिव्यक्ति ने व्यक्ति, विचार और वस्तुओं के अर्थों को पूरी प्रामाणिकता, भावप्रवणता और प्रभावोत्पादकता से प्रस्तुत किया है।

किताब की कई अच्छी बातों में एक यह भी कि चित्रों को अंतिम पृष्ठों पर स्थान दिया है ताकि पढ़ने की तंद्रा न टूटे और कल्पना के शिखर अंतिम पायदान पर दमकते हुए साकार हों। चाहे फिर वह फ्रायड का म्यूज़ियम हो, बैठे हुए ऑस्कर वाइल्ड हो, शेक्सपियर का स्मारक हो या फिर स्टोन हैंज में खोया जामुनी मफ़लर ही क्यों न हो। शिवना प्रकाशन से आई इस कृति का पढ़ कर पाठक कुछ समय के लिए किसी दूसरी दुनिया में खो जाता है। या एक बिलकुल नया तरीक़ा है यात्रा संस्मरण लिखने का, जिसमें यात्रा संस्मरण के बहाने स्त्री-विमर्श जैसे सरोकार पर पूरी मज़बूती से मनीषा कुलश्रेष्ठ न केवल अपना पक्ष रखती हैं बल्कि उसके सूत्र भी उन स्थानों पर तलाशते हुए चलती हैं। इस कारण यह केवल यात्रा वृत्तांत न रह कर स्त्री विमर्श का एक दस्तावेज़ बन जाता है। शिवना प्रकाशन ने इस किताब को बहुत ख़ूबसूरती के साथ प्रकाशित किया है। एक आवश्यक किताब है यह।

दो ग़ज़लें

■ हमीदा शाहीन

इक जादूगर है आँखों की बस्ती में
तारे टाँक रहा है मेरी चुनरी में

मेरे सखी ने ख़ाली हाथ न लौटाया
ढेरों दुख बाँधे हैं मेरी गठड़ी में

कौन बदन से आगे देखे औरत को
सब की आँखें गिरवी हैं इस नगरी में

जिन की ख़ुशबू छेद रही है आँचल को
कैसे फूल वो डाल गया है झोली में

जिस ने मेहर-ओ-माह के खाते लिखने हों
मैं इक ज़र्रा कब तक उस की गिनती में

इश्क़ हिसाब चुकाना चाहा था हम ने
सारी उम्र समा गई एक कटौती में

हर्फ़-ए-ज़ीस्त को मौत की दीमक चाट भी ले
कब से हूँ महसूर बदन की घाटी में

खेल में कुछ तो गड़बड़ थी जो आधे हो कर हारे लोग
आधे लोग निरी मिट्टी थे आधे चाँद सितारे लोग

इस तरतीब में कोई जानी बूझी बे-तरतीबी थी
आधे एक किनारे पर थे आधे एक किनारे लोग

उस के नज़्म-ओ-ज़ब्त से बाहर होना कैसे मुमकिन था
आधे उस ने साथ मिलाए आधे उस ने मारे लोग

आज हमारी हार समझ में आने वाली बात नहीं
उस के पूरे लश्कर में थे आधे आज हमारे लोग

किस के साथ हमारी यक-जानी का मंज़र बन पाता
आधे जान के दुश्मन थे और आधे जान से प्यारे लोग

इन पर ख़्वाब हवा और पानी की तब्दीली लाज़िम है
आधे फीके बे-रस हो गए आधे ज़हर तुम्हारे लोग

आधी रात हुई तो ग़म ने चुपके से दर खोल दिए
आधों ने तो आँख न खोली आधे आज गुज़ारे लोग

आधों आध कटी यकजाई फिर दूजों ने बीचों-बीच
आधे पाँव के नीचे रक्खे आधे सर से वारे लोग

ऐसा बंद-ओ-बस्त हमारे हक़ में कैसा रहना था
हल्के हल्के चुन कर उस ने आधे पार उतारे लोग

कुछ लोगों पर शीशे के उस जानिब होना वाजिब था
धार पे चलते चलते हो गए आधे आधे सारे लोग

खेल जगत

अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूज़ीलैंड है : शास्त्री

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से पहले, भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए चेतावनी जारी की, जो टूर्नामेंट में अपने तीसरे खिताब की तलाश में है। भारत के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत सहित अब तक चार मैचों में अपराजित रिकॉर्ड होने के बावजूद, शास्त्री को लगता है कि ब्लैककैप्स एकमात्र टीम है जो उन्हें हरा सकती है। अनुभवी खिलाड़ी का आकलन गलत नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट में भारत पर जीत हासिल की है, उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में उनके बीच खेले गए चार में से तीन मैच जीते हैं। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूजीलैंड है।

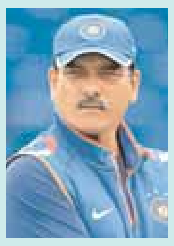

भारत नया इतिहास रचने के मकसद से उतरेगा

- न्यूजीलैंड के रचिन व विलियमसन पर भारत को लगानी होगी लगाम
- वरुण फाइनल में भी भारत की स्पिन चौकड़ी का तुरुप का इक्का साबित होंगे

○ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 8 मार्च (देशबन्धु)। सदाबहार अनुभवी बल्लेबाजों अनुभवी रोहित शर्मा की अगुआई में रंग में चल रहे चेज मास्टर विराट कोहली अब अजेय भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए में 44 रन से जीत को ठीक एक रविवार फाइनल में भी दोहरा जीत के 'पंजे के साथ दुबई में तीसरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट खिताब जीत नया इतिहास रचने के मकसद से उतरेगी। वहीं भारत से ग्रुप ए के आखिरी मैच में मिली हार से पूरी तरह चौकस संतुलित न्यूजीलैंड पलटवार कर फाइनल में हिसाब चुकता कर 25 बरस बाद दूसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में चैंपियन बनने के लिए पूरी शिद्दत से उतरेगी। भारत को न्यूजीलैंड को फाइनल में रोक तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतना है उसे उसके लिए तीन मैचों में दो शतक सहित 226 रन के साथ रन बनाने में दूसरे स्थान पर चल रहे रचिन रवींद्र और अनुभवी एक शतक जड़ रंग में लौटे चार मैचों में कुल 189 रन बनाने वाले मध्यक्रम के मास्टर केन विलियमसन पर लगाम लगानी होगी। भारत को आधे अधूरे मौकों को कैच में बदलने में माहिर न्यूजीलैंड चुस्त फील्डर ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवल और और केन विलियमस ने चौकस रहना होगा जो कि अपनी मुस्तैद फील्डर से 30 रन बचाकर मैच का नतीजा बदलने का दम रखते हैं।

रोहित शर्मा की अगुआई में भारत 2023 में वन डे विश्व कप में न्यूजीलैंड पर लीग और सेमीफाइनल सहित लगातार दस मैच जीत कर बस फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार गया और उसका तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। विराट कोहली ने तीन शतकों और छह अर्द्धशतकों की मदद से भारत के लिए 2023 में वन डे विश्व कप में फाइनल में हारने के बावजूद सबसे 765 रन बनाए थे और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 24 विकेट चटकाए थे। 2025 की मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में सेमीफाइनल सहित चार मैचों में भारत के लिए एक शतक और एक अर्द्धशतक सहित चेज मास्टर विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 217 रन बनाए हैं जबकि पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पांच और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन विकेट सहित मोहम्मद शमी ने मौजूदा संस्करण में अब तक चार मैचों में सबसे ज्यादा आठ विकेट लिए हैं। भारत सबसे सधा प्रदर्शन करने वाली न्यूजीलैंड टीम के दुबई की पिच के मिजाज से भी वाकिफ होने के कारण उसके खिलाफ जरा सी भी ढील से बचना चाहेगी। भारत के गेंदबाजों ने मौजूदा संस्करण में अब तक चार मैचों में कुल 37 विकेट चटकाए हैं और इनमें से 21 -वरुण चक्रवर्ती(दो मैच सात विकेट), बाएं हाथ के तीन एकदम जुदा कुलदीप यादव (4 मैच 5 विकेट), अक्षर पटेल , चार मैच पांच विकेट) व रवींद्र जडेजा (4 मैच चार विकेट)-की उसकी स्पिन चौकड़ी और बाकी 16 विकेट उसके लिए मौजदा संस्करण में सबसे ज्यादा चार मैचों में आठ विकेट चटकाने वाले मोहम्मद शमी , हार्दिक पांडया(चार मैच, 4 विकेट) और हर्षित राणा(दो मैच, चार विकेट)- तेज गेंदबाजों की त्रिमूर्ति ने मिल कर चटकाए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट चटकाने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती फाइनल में भी बेशक भारत की स्पिन चौकड़ी का तुरुप का इक्का साबित होंगे। भारत की गेंदबाजी वरुण पर बहुत निर्भर करेगी और न्यूजीलैंड के लिए ग्रुप मैच में 81 और दक्षिण अफ्रीका के शतक जड़ने वाले केन विलियमसन और हेड कोच गैरी स्टेड भी मानते हैं कि वरुण चक्रवर्ती उनकी टीम के लिए फाइनल में सबसे बड़ा खतरा हैं।

समय 2:30
स्थान : दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम

भारत ने आईसीसी टूर्नामेंट में अपने 86 में से 70 मैच जीते

भारत और न्यूजीलैंड आईसीसी टूर्नामेंट में दो सबसे ज्यादा सधा प्रदर्शन करने वाली टीमे हैं। भारत ने आईसीसी टूर्नामेंटों मे अब तक खेले 86में 70 मैच जीते हैं जो कि दूसरे स्थान पर चल रही ऑस्ट्रेलिया(49 जीत) और संयुक्त से तीसरे स्थान पर चल रही न्यूजीलैड (45 जीत) और दक्षिण अफ्रीका (45 जीत) से बहुत ज्यादा है। भारत2011 से हुए 14 आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट में 2012 अर 2021 के टी 20 विश्व कप के फाइनल को छोड़कर बाकी सभी में नॉकआउट में पहुंचा है। भारत 12 बार आईसीसी टूनामेंट में चार बार सेमीफाइनल में हारा और पांच बार उपविजेता रहा जबकि तीन बार वह खिताब जीतने में कामयाब रहा भारत के पास रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में चौथा खिताब जीतने का मौका है। दूसरी ओर न्यूजीलेंड की टीम ने जरा ज्यादा सधा प्रदर्शन किया और चार बार सेमीफाइनल तीन बार उपविजेता ओर 2021 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को हरा खिताब जीतने सहित कुल आठ बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई है। भारत और पाकिस्तान से ज्यादा दुनिया की कोई भी अन्य टीम आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। भारत की टीम इस दौराप सफेद गेंद से खेले टूर्नामेंट में पांच बार बिना कोई मैच हारे नॉकआउट में पहुंची और उसने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2024 में आईसीसी टी 20 विश्व कप जीता।

भारत का 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल तक का सफर

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (5/53) के गेंद से पंजे और शुभमन गिल के अविजित 101 की मदद भारत ने ग्रुप ए में अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराया। विराट कोहली के अविजित शतक , शुभमन गिल की 46 व श्रेयस अय्यर की 56 रन की पारियों और कुलदीप यादव द्वारा चटकाए तीन विकेट से भारत ने दूसरे मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। श्रेयस अय्यर(79) और हार्दिक पांडया (45) की बढ़िया पारियों तथा वरुण चक्रवर्ती के गेंद से पंजे और उनकी अगुआई में अपनी स्पिन चौकड़ी द्वारा आपस में बांटे नौ विकेट की बदौलत केन विलियमसन की 81 रन की पारी के बावजूद भारत ने न्यूजीलैंड को ग्रुप ए के आखिरी मैच में 44 रन से हराया। विराट कोहली की 84 रन की बेहतरीन पारी तथा मोहम्मद शमी द्वारा चटकाए तीन विकेट की बदौलत भारत ने विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनलमें चार विकेट से हराया।

गांगुली ने भारत को जीत का प्रबल दावेदार बताया

मध्यग्राम उत्तर 24 परगना , 8 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान और बंगाल टाइगर के नाम से मशहूर सौरव गांगुली ने रविवार को होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को प्रबल दावेदार बताते हुए कहा कि भारत जीतेगा। भारत और न्यूजीलैंड रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भिड़ेंगे। इस मुकाबले में गांगुली भारत की जीत को लेकर आश्वस्त हैं। सौरव गांगुली ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जो भी अच्छा खेलेगा, वो ट्रॉफी जीतेगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा को बड़ा खिलाड़ी बताते हुए गांगुली ने कहा कि इन पर भारत की जीत का दारोमदार रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में शुभमन गिल, विराट, श्रेयस अय्यर, रोहित और केएल राहुल अच्छी फॉर्म में हैं और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाएंगे। गांगुली ने कहा कि भारत ने 2023 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला, 2024 में टी20 विश्व कप जीता और इस चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अपराजित है, इसलिए मेरी नजर में भारत दावेदार है। लेकिन जो टीम अच्छा खेलेगी, वो जीतेगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड टीम की बल्लेबाजी अच्छी है लेकिन भारतीय गेंदबाजी भी उतनी ही दमदार है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : साइकिल रैली हमारी नारी शक्ति का प्रमाण

साइकिल रैली में मांडविया के साथ मंत्री, एथलीट शामिल हुए

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। शनिवार को तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष साइकिल रैली में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के साथ राज्य के खेल मंत्री, एथलीट और प्रशासक शामिल हुए। रैली को हरी झंडी दिखाने के दौरान बोलते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि यह साइकिल रैली हमारी नारी शक्ति का प्रमाण है, जो खेलों और उससे परे महिलाओं के दृढ़ संकल्प, नेतृत्व और उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। चिंतन शिविर के दौरान आयोजित इस साइकिल रैली में राज्य के मंत्रियों और प्रमुख हितधारकों की राष्ट्रीय बैठक में

2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी और 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी की बोली पर चर्चा की गई। इस साइकिल रैली में कल्याण और आध्यात्मिक केंद्र कान्हा शांति वनम के सदस्यों की गहरी दिलचस्पी देखी गई। महिला दिवस के अवसर पर मांडविया, सचिव (खेल) सुजाता चतुर्वेदी और पूर्व ओलंपियन और बैडमिंटन स्टार पुलेला गोपीचंद ने अन्य प्रमुख एथलीटों के साथ अस्मिता न्यूजलेटर लॉन्च किया। न्यूज़लेटर 2021 में सरकार द्वारा शुरू किए गए 'महिलाओं के लिए खेल' मिशन का सार प्रस्तुत करता है। न्यूजलेटर अस्मिता लीग की अद्भुत पहुंच और कैसे वे उन युवा महिलाओं के जीवन को बदल रहे हैं जो खेल को करियर के रूप में अपनाने की आकांक्षा रखती हैं, पर भी प्रकाश डालता है। पूर्व ऑल-इंग्लैंड चैंपियन गोपीचंद, जिन्होंने साइना नेहवाल और पीवी सिंधु जैसे ओलंपिक पदक विजेताओं को कोचिंग दी है, ने कहा कि जैसा कि वे कहते हैं कि महिलाओं ने भारत के लिए अधिक ओलंपिक पदक जीते हैं और यह उचित है कि उन्हें और भी अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कबड्डी खिलाड़ी हस्ती वेगड़ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लैंगिक समानता पर दिया जोर

राजकोट। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के राजकोट की रहने वाली कबड्डी खिलाड़ी हस्ती वेगड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर लड़कों और लड़कियों को समान बताते हुए समाज में समान अवसरों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़कियां कई क्षेत्रों में लड़कों से भी आगे बढ़ चुकी हैं और यह बदलाव दिखाता है कि महिलाओं के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। हस्ती ने महिला दिवस के अवसर पर अपने परिवार का भी धन्यवाद किया और बताया कि उनके छोटे भाई की तुलना में उन्हें अधिक सुविधाएं और समर्थन मिला, जिससे वे इस मंच तक पहुंच पाई हैं। वे सभी माता-पिता को संदेश देती हैं कि अपनी बेटियों को किसी भी क्षेत्र में अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर दें। जब वे आगे बढ़ेंगी, तो न केवल उनका बल्कि उनके परिवार का नाम भी रोशन होगा।

सार संक्षेप

अजारेंका को हराकर झेंग इंडियन वेल्स के तीसरे दौर में

कैलिफोर्निया। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने बेलारूस की पूर्व विश्व नंबर 1 विक्टोरिया अजारेंका को 6-3, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। आठवीं वरीयता प्राप्त झेंग ने शुक्रवार को अजारेंका के खिलाफ अपने तीन मुकाबलों में पहली जीत हासिल की। ??पहले दौर में बाई प्राप्त करने के बाद झेंग ने यहां अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की। झेंग ने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने अजारेंका को हराया है, वह इतनी शानदार खिलाड़ी हैं। मैंने उनके साथ बहुत सारी रैली की क्योंकि अजारेंका बहुत सुसंगत हैं। अगर मैं अपना मौका नहीं लेती, तो आप दूसरे सेट में देख सकते हैं, मैं 2-0 से आगे था, लेकिन उसने वापसी की। इस बीच, वांग झिन्यू ने लातविया की जेलेना ओस्टापेंको को 6-4, 6-4 से हराया और तीसरे दौर में अपनी हमवतन झेंग के साथ शामिल हो गईं। एटीपी 1000 इंडियन वेल्स मास्टर्स के दूसरे दौर में, चीन की बु युंचाओकेटे रूस के पांचवें वरीय डेनियल मेदवेदेव से 6-2, 6-2 से हार गईं।

सांचेज, अरंगुइज विश्वकप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापसी

सैंटियागो। अनुभवी एलेक्सिस सांचेज और चार्ल्स अरंगुइज को पैराग्वे और इक्वाडोर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापस बुलाया गया है। फॉरवर्ड सांचेज ने पिछले साल जून से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है, जबकि मिडफील्डर अरंगुइज ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में रोजा के लिए खेला था। चिली फुटबॉल महासंघ ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा है कि मैनेजर रिकार्डो गारेका ने अर्जेंटीना में जन्मे फॉरवर्ड फर्नांडो ज़म्पेड्री को भी अपने 24 सदस्यीय दल में शामिल किया है। 37 वर्षीय फर्नांडो को पिछले महीने चिली की नागरिकता दी गई थी। ज़म्पेड्री ने अर्जेंटीना के रोसारियो सेंट्रल से चिली के क्लब में 2020 में आने के बाद यूनिवर्सिडैड कैटोलिका के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 122 गोल किए हैं। चिली 20 मार्च को असुनसियन में पैराग्वे से और पांच दिन बाद सैंटियागो में इक्वाडोर से भिड़ेगा।

एशियन क्रिकेट काउंसिल बोर्ड में राजीव शुक्ला और आशीष शेलार की नियुक्ति

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के बोर्ड में अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति की घोषणा की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया की ओर से शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, बीसीसीआई को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि श्री जय शाह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अध्यक्ष बनने के बाद एशियाई क्रिकेट काउंसिल बोर्ड में उनकी सीट रिक्त हो गई थी। जय शाह हाल ही में एसीसी के अध्यक्ष थे और उनके नए पद ग्रहण करने के कारण एसीसी बोर्ड में एक स्थान खाली हुआ। बीसीसीआई की ओर से राजीव शुक्ला को एसीसी बोर्ड में कार्यकारी बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, आशीष शेलार को बीसीसीआई के पदेन बोर्ड सदस्य के रूप में एसीसी बोर्ड में नियुक्त किया गया है। देवजीत सैकिया ने बताया कि बीसीसीआई के सभी पदाधिकारी और शीर्ष परिषद की ओर से हम राजीव शुक्ला और आशीष शेलार को एसीसी बोर्ड में उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हम आशा करते हैं कि वे एशिया में क्रिकेट को बढ़ावा देने, विकसित करने और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उल्लेखनीय है कि इसी साल सितंबर में एशिया कप का आयोजन होना है, जिसकी मेजबानी भारत करेगा। पाकिस्तान की टीम भारत नहीं आएगी, इसलिए इन दोनों के बीच न्यूट्रल वेन्यू पर मैच होंगे।

होली पर क्रिकेट का रंग, चंग पर चमकेंगे भारतीय खिलाड़ी

जोधपुर, 8 मार्च (एजेंसियां)। होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजार रंग-बिरंगे चंग (वाद्य यंत्र) से सजने लगे हैं, लेकिन इस बार चंग पर एक नया रंग चढ़ा है- क्रिकेट का जुनून। इस साल होली के जश्न में चैंपियंस ट्रॉफी की धूम भी जुड़ गई है, क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम फाइनल में पहुंच चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए जोधपुर के कारीगरों ने चंग पर क्रिकेट खिलाड़ियों के चित्र उकेर दिए हैं, जो ग्राहकों को खूब लुभा रहे हैं। मार्केट में इस समय रोहित शर्मा, विराट कोहली,हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह समेत कई भारतीय क्रिकेटरों के चित्रों वाली चंग की भारी मांग देखी जा रही है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में ये खास चंग तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जिससे इनकी बिक्री में भी इजाफा हो रहा है।

भारत इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है टॉस मायने नहीं रखेगा : लालचंद राजपूत

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के चारों टॉस हारने के बावजूद, रोहित शर्मा की टीम आठ टीमों की प्रतियोगिता में एकमात्र अपराजित टीम के रूप में न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में उतरेगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लालचंद राजपूत का मानना है कि टॉस का नतीजा फाइनल में ज्यादा मायने नहीं रखेगा क्योंकि भारत की बल्लेबाजी अच्छी चल रही है। राजपूत ने दुबई में कहा कि हम अच्छी तरह से लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं।

मुझे लगता है कि फाइनल में, निश्चित रूप से वह टीम जीतेगी जो टॉस जीतेगी। मुझे लगता है कि वे पहले बल्लेबाजी करेंगे क्योंकि फाइनल में किसी भी लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा चिंताजनक होगा। लेकिन अब भारतीय टीम इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रही है कि

मुझे नहीं लगता कि टॉस बहुत मायने रखता है। वर्तमान में यूएई के मुख्य कोच राजपूत को लगता है कि जहां तक फील्डिंग का सवाल है, न्यूजीलैंड भारत से आगे है। फील्डिंग एक ऐसी चीज है जिस पर दोनों टीमों को वाकई काम करना होगा। लेकिन यहां मैं न्यूजीलैंड की फील्डिंग को तरजीह दूंगा क्योंकि वे बेहतरीन हैं, खासकर ग्लेन फिलिप्स और यहां तक कि विलियमसन, पिछले मैच में उन्होंने जो कैच लिया था। राजपूत ने कहा कि ग्लेन फिलिप्स, मुझे लगता है, उनका शरीर बिल्कुल रबर जैसा है वे बस डाइव लगाते हैं और फिर हवा से कुछ शानदार कैच पकड़ते हैं। इसलिए, मैं कहूंगा कि उनकी फील्डिंग की वजह से वे मैदान पर 15-20 रन और कैच बचा लेते हैं। लेकिन हमारी फील्डिंग भी बहुत अच्छी है। हमारे पास शानदार फील्डर भी हैं -जडेजा, अक्षर पटेल, फिर श्रेयस अय्यर, विराट को देखिए - उन्हें मत भूलिए क्योंकि वे अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डरों में से एक हैं। इसलिए, फील्डिंग अहम होगी। जैसा कि आपने सही कहा, रन बचाने का मतलब है कि हमें उतने ही कम रन बनाने होंगे। इसलिए, फाइनल में भी फील्डिंग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 2000 के संस्करण के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आमने-सामने होंगे। न्यूजीलैंड ने आईसीसी नॉकआउट मैचों में भारत को हराया है - चाहे वह 2019 का वनडे विश्व कप सेमीफाइनल हो या 2021 का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल। राजपूत ने दो कारण भी बताए जो मिशेल सेंटनर की अगुवाई वाली टीम को खिताबी मुकाबले में एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनाते हैं। फाइनल हमेशा एक अच्छा मुकाबला होगा क्योंकि फाइनल मैच हमेशा रोमांचक होते हैं। एकमात्र टीम जो हमें कड़ी टक्कर दे सकती है, वह है न्यूजीलैंड, क्योंकि वे हमारे खिलाफ आईसीसी ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

> हमारे पास शानदार फील्डर भी हैं -जडेजा, अक्षर पटेल, फिर श्रेयस अय्यर, विराट को देखिए - उन्हें मत भूलिए क्योंकि वे अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डरों में से एक हैं : लालचंद राजपूत

खेलना आपकी पूरी जिंदगी बदल देगा: दयालन

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमेशा से ऐसा दिन रहा है, जब नागरिक समाज सभी उद्योगों में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाता है। गुजरात जायंट्स की ओपनर दयालन हेमलता, जो पार्ट-टाइम ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करती हैं, ने लड़कियों और महिलाओं से पेशेवर रूप से खेल खेलने का आग्रह किया है, क्योंकि यह जीवन बदलने वाला क्षण है। हेमलता ने एक विशेष बातचीत में कहा कि मैं कह सकती हूं कि खेल खेलना शुरू करें और क्योंकि अगर आप इसे अपनाते हैं, तो आप इसके लिए आभारी होंगे क्योंकि यह आपके पूरे जीवन के साथ-साथ आपके निर्णय लेने के कौशल को भी बदल देगा। यह

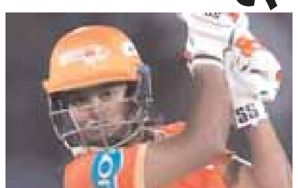

आपको अधिक आत्मविश्वासी, आक्रामक, निडर बनाता है और तब आप केवल यह सोचते हैं कि मैं कुछ भी कर सकती हूं और मैं अपने जीवन में सब कुछ संभाल सकती हूं। कई क्रिकेटरों के विपरीत, जो कम उम्र में ही शुरुआत कर देते हैं, हेमलता, जिन्होंने अब तक भारत के लिए नौ वनडे और 15 टी20 मैच खेले हैं, ने 18 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट की दुनिया में अपनी यात्रा शुरू की। तब तक, क्रिकेट सिर्फ एक गली खेल था जिसे वह चेन्नई में बड़े होने के दौरान लड़कों के साथ खेलती थी। यह बहुत अलग रहा है क्योंकि लड़के आपके साथ (उनके बराबर) व्यवहार नहीं करते। वे हमेशा कहते थे, 'सावधान रहो, वहां खड़े मत रहो, तुम यह नहीं कर सकते, तुम इस तरह की चीजें नहीं करोगे'। इससे मुझे और भी चिढ़ होती थी क्योंकि हम ऐसा नहीं कर सकते। मुझे हमेशा लगता था कि तुम यह कर सकते हो क्योंकि यह क्रिकेट है, बस। उसके बाद, मैं उसी साल अंडर-19 और सीनियर टीम के लिए तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन में चली गई। इस तरह से इसकी शुरुआत हुई। उसके बाद, मैंने इस खेल को बहुत ही पेशेवर तरीके से अपनाया। मैंने चैलेंजर्स, जेडसीए और इंडिया ए में खेलना शुरू किया। जब मैं 23 साल की थी, तब मैंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैंने सोचा कि 'मैंने अपने जीवन में कुछ बड़ा हासिल कर लिया है'। वह पल मेरे सपने के सच होने जैसा था। मैं हमेशा उस लक्ष्य के पीछे भागती थी क्योंकि मेरा एक ही लक्ष्य था - मुझे भारत के लिए खेलना है। लेकिन मुझे नहीं पता था कि मैं पांच साल में यह हासिल कर लूंगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी और मैं हमेशा इसका सम्मान करती हूं। मेरी यात्रा ऐसी ही है। उसके बाद, सब कुछ बदल गया। मैं जहां भी जाती थी, हमेशा क्रिकेट के बारे में ही सोचती थी। यह ऐसा ही रहा है। क्रिकेट में उनकी सफलता अप्रत्याशित रूप से आई - एक दोस्त द्वारा दिए गए जिला चयन ट्रायल फॉर्म के माध्यम से। मेरे एक दोस्त को पता था कि मैं क्रिकेट खेल रही हूं। मेरी 12वीं कक्षा की परीक्षा के बाद, उसने मुझे एक पेपर दिया और कहा कि मैं इसके लिए प्रयास करूं, जो इस चीज में जिला चयन ट्रायल था।

> जब मैं 23 साल की थी, तब मैंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैंने सोचा कि 'मैंने अपने जीवन में कुछ बड़ा हासिल कर लिया है' : दयालन हेमलता

वॉटसन ने चार मैचों में जड़ा तीसरा शतक

ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स को 137 रनों से हराया

वडोदरा, 8 मार्च (एजेंसियां)। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं। शेन वॉटसन का बल्ले से दबदबा उनमें से एक है। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स के कप्तान ने वर्षों पीछे लौटते हुए चार मैचों में अपना तीसरा शतक बनाया और इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स के आक्रमण को ध्वस्त करते हुए अपनी टीम को 137 रनों की शानदार जीत दिलाई और टूर्नामेंट के वडोदरा लेग को शानदार तरीके से समाप्त किया। टूर्नामेंट के पहले दो मैच हारने के बाद, वॉटसन एंड कंपनी ने ऑस्ट्रेलियाई भावना की यादों को ताजा करते हुए जीत दर्ज की। बल्लेबाजी करने उतरे वॉटसन ने इंडिया मास्टर्स के खिलाफ पिछले मैच की तरह ही शानदार प्रदर्शन

किया और अपने शानदार पुल तथा सहज लॉफ्टेड ड्राइव से ऐसा लगा जैसे वे अपने उस दौर में वापस लौट गए हों, जब उन्होंने कभी विश्व क्रिकेट के सबसे बड़े मंचों पर राज किया था। जैसे ही उन्होंने बीसीए स्टेडियम में अपना बल्ला उठाया, प्रशंसक ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी बेहतरीन पारियों की यादों को ताजा करने से खुद को रोक नहीं पाए। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स की पारी की शुरुआत करने के लिए कैलम फर्ग्यूसन (नाबाद 85) के साथ विकेट पर आए वॉटसन ने मैच को दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स की पकड़ से दूर कर दिया,। इस दोनों की ओपनिंग साझेदारी ने मात्र 15 ओवरों में 186 रन बनाए। इससे पहले कप्तान ने पिछले मैच के साथी शतकवीर बेन डंक (नाबाद 34) के साथ मिलकर 74 रन बनाए और टीम को 260/1 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। नौ चौकों और इतने ही गगनचुंबी छक्कों के साथ वॉटसन ने दिखाया कि उनको अपने समय के सबसे खतरनाक ऑलराउंडरों में से एक क्यों माना जाता है। उन्होंने अपने सिग्नेचर बिग-हिटिंग मोड में लॉन्च होने से पहले क्रिस्प ड्राइव और क्रूर कट के साथ गैप को भेदते हुए जोरदार आक्रामकता के साथ शुरुआत की।

स्वच्छता को लेकर हुई बैठक, कलेक्टर बोले

जन सहयोग से शहर को बनाएंगे स्वच्छ व व्यवस्थित

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में शनिवार को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की थीम स्वच्छता की बात अपनों के साथ के तहत नगर पालिका परिषद टीकमगढ़ में स्थानीय राजेन्द्र पार्क में शहर के व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान शहर को स्वच्छ रखने के संबंध में चर्चा की गई तथा सभी के सुझाव भी लिये गये। बैठक में कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने कहा कि सभी नगरवासियों के सहयोग से शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनायें। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के कर्मचारियों के साथ ही हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अपने शहर को स्वच्छ रखें। उन्होंने बैठक में उपस्थित व्यापरियों एवं समस्त नागरिकों से कचरा डस्टविन अथवा कचरा गाड़ी में डालने की अपील की। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को वार्ड वार सफाई हवलदार एवं कचरा वाहन चालकों के मोबाइल नम्बर अंकित कराये जाने के लिए निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया ने बताया कि शहर में कचरा वाहन चालकों का रूट मैप तैयार किया गया है तथा कचरा वाहनों पर रूट मैप लगाया गया है। ये कचरा वाहन शहर में प्रत्येक व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर रूकेंगे। इन वाहनों का समय व्यापारियों के समय के अनुसार ही रखा गया है, जिससे व्यापारी रात्रि में बाहर कचरा नहीं फैंकें। इसके साथ ही सफाई कर्मचारी भी मैप किये गये है कि वह शहर में किन जगहों पर सफाई करेंगे तथा शहर में विभिन्न स्थानों पर डिस्प्ले बोर्ड भी लगाये जा रहे हैं। इन डिस्प्ले बोर्ड पर वाहन चालक कर्मचारी तथा सफाई कर्मचारियों के नाम तथा मोबाईल नंबर अंकित किये जायेंगे, जिससे व्यापारी तथा नगरवासी इन कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर लोकेन्द्र सिंह सरल, सूर्यप्रकाश मिश्रा, हबीव राईन, बृजकिशोर तिवारी, फरीद खांन, देवीलाल अहिरवार, जाहिद खांन, सुरेन्द्र सोनी, पार्षदगण, प्रमुख व्यापारी वर्ग, नगरवासी, खलील सेवानिवृत्त नगर निरीक्षक, नगरीय निकाय कर्मचारी अनिल श्रीवास्तव, राकेश बाल्मीक, राजा बाल्मीक, रोहित बाल्मीक, विजय बाल्मीक, मुकेश बाल्मीक प्रभारी हवलदार सहित संबंधितजन उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन के पास बाइकों में टक्कर, 4 लोग घायल, 1 की हालत गंभीर

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की खरगापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम फुटेर व खरगापुर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार की शाम करीब 7.15 बजे दो बाइकों के बीच में आमने सामने टक्कर हो गई। इस घटना में बाइकों पर सवार 4 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस द्वारा घायल लोगों को खरगापुर अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रिफर किया गया। 108 एंबुलेंस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुरेंद्र गंगवार ने बताया कि खरगापुर तहसील के फुटेर गांव व खरगापुर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार की शाम करीब 7.15 बजे दो बाइकों में टक्कर हो गई। इस घटना में एक बाइक पर सवार सुनील राजपूत 30 वर्ष निवासी धर्मपुरा एवं दूसरी बाइक पर सवार सूरज अहिरवार 27 वर्ष, शारदा अहिरवार 27 वर्ष, सुरेन्द्र अहिरवार 22 वर्ष सभी निवासी धनेरा तहसील खरगापुर घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस के ईएमटी भागवत अहिरवार, पायलट सुनील कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया और खरगापुर अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया। अस्पताल में डॉक्टर सूर्यप्रताप पवैया द्वारा इन सभी घायलों का उपचार किया, जिसमें सुनील राजपूत धर्मपुरा की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उनको जिला अस्पताल टीकमगढ़ रिफर किया गया, बाकी घायलों का इलाज खरगापुर अस्पताल में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सुनील राजपूत अपनी बाइक से खरगापुर से अपने घर धर्मपुरा जा रहे थे और दूसरी बाइक पर तीन लोग सवार होकर ग्राम धनेरा से खरगापुर की ओर आ रहे थे। जैसे ही यह दोनों बाइक फुटेर गांव व रेलवे स्टेशन के पास पहुंची तो इन बाइकों में आमने सामने से टक्कर हो गई।

हीरालाल बने पटवारी संघ के निर्विरोध तहसील अध्यक्ष

टीकमगढ़,देशबन्धु। तहसील कार्यालय दिगौड़ा में आज पटवारी संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पटवारी संघ के जिला सचिव मुख्य रूप से उपस्थित हुए। दिगौड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले सभी राजस्व निरीक्षक व पटवारियों ने भाग लिया। इस बैठक में आज निर्विरोध तरीके से हीरालाल प्रजापति को दिगौड़ा तहसील के अध्यक्ष निर्वार्चित किया गया। शनिवार 8 मार्च को तहसील दिगौड़ा में पटवारी संघ की बैठक पटवारी भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में तहसील अध्यक्ष के लिए निर्विरोध रूप से देवखा पटवारी हीरालाल प्रजापति को निर्वाचित किया गया। इसके साथ पटवारी भावेश अहिरवार को सचिव, पटवारी दीपक साहू को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान जिला सचिव राजकुमार अहिरवार एवं तहसील के दिगौड़ा पटवारी इकबाल अहमद खान, अजय जैन, पंकज खरे, सचिन रावत, निष्ठा जैन, शोभाराम सौर, अनवर आलम खान, बलवंत यादव सहित समस्त पटवारी मौजूद रहे।

युवक परिजनों को बिना बताए हुआ लापता

टीकमगढ़, देशबन्धु।। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मऊ बुजुर्ग गांव से 25 वर्षीय युवक परिजनों को बिना बताए कहीं चला गया है। परिजनों ने पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट की गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए लापता युवक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत मऊ बुजुर्ग गांव से 4 मार्च की शाम को 25 वर्षीय युवक नितिन घोष घर से आधा घंटा की कहकर कहीं चला गया, जो वापिस घर नहीं लौटा। परिजनों ने युवक को आसपास व रिश्तेदारी में तलाश किया, लेकिन आज तक कोई जानकारी नहीं मिली। फरियादी पिता बल्लन सिंह घोष की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता युवक की तलाश शुरू कर दी है। लापता युवक नितिन के पिता बल्लन सिंह व बड़े भाई गोलू घोष निवासी मऊ बुजुर्ग ने बताया कि 4 मार्च की शाम को उनका छोटा पुत्र नितिन घोष घर से कहीं चला गया, जो वापिस घर नहीं लौटा। इन्होंने बताया है कि बछौडा गांव के पप्पू व वर्माडांग गांव के अरबिंद के साथ मेरा पुत्र कहीं चला गया था। रात 8 बजे के उसका मोबाइल फोन भी बंद हो गया। हम लोगों ने नितिन को आसपास के कई गांव सहित रिश्तेदारियों में तलाश किया, लेकिन आज तक उसका कोई पता नहीं चला है। इसकी शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

2 बाइकों में टक्कर, 1 व्यक्ति सहित 2 युवतियां घायल

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के बल्देवगढ़ नगर के पास डुम्बार लुहर्रा सड़क के संकीर्ण मोड़ पर शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे दो बाइकों के बीच में आमने सामने टक्कर हो गई। इस घटना में दोनों बाइक पर सवार एक व्यक्ति सहित दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस द्वारा घायलों को बल्देवगढ़ अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। 108 एंबुलेंस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुरेंद्र गंगवार ने बताया है कि बल्देवगढ़ नगर के पास डुमबार लुहर्रा सड़क के मोड़ पर शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे दो बाइकों में आमने सामने से टक्कर हो गई। इस घटना में एक बाइक पर सवार कालीचरण रैकवार 55 साल एवं दूसरी बाइक पर सवार अंजली अहिरवार 19 वर्ष व क्रांति अहिरवार 18 वर्ष सभी निवासी डुमबार थाना बल्देवगढ़ घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पायलेट आरिफ खान 108 एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंच गए। एंबुलेंस के ईएमटी वीरेंद्र सिंह खंगार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया और बल्देवगढ़ अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया। अस्पताल में इन सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है।

महिला दिवस पर एसपी ने मातृशक्ति को कराया भोजन

टीकमगढ़, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन प्रांगण में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम

में भाजपा जिला अध्यक्ष सरोज राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष उमिता सिंह राजपूत, पूर्व नपा अध्यक्ष लक्ष्मी गिरी गोस्वामी सहित प्रशासनिक महिला अधिकारी के साथ थाना,चौकी की महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। जिपं अध्यक्ष उमिता सिंह राजपूत द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत एवं महिला संघर्ष पर चर्चा करते हुए महिलाओं द्वारा वर्तमान में हासिल की जा रही उपलब्धियों को बताया। एसपी मनोहर सिंह मंडलोई ने समाज में महिलाओं के महत्व बताते हुए महिला सुरक्षा, स्वतंत्रता, सम्मान के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उपस्थित महिलाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केक काटकर सभी को सम्मानित करते हुए बधाई दी । पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित महिला जनप्रतिनिधियों, महिला पुलिस, अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वयं भोजन परोसा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों सहित महिला प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को स्मृतिचिह्न एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

विवाद के चलते तीन लोगों ने एक के साथ की मारपीट

लिधौरा, देशबन्धु। थाना अंतर्गत ग्राम भदरई निवासी दिनेश यादव उम्र 40 वर्ष पड़रा से लौटकर अपने ग्राम वापस आ रहा था, तभी वह ग्राम के स्वतंत्र तिवारी, बेटू तिवारी रामू तिवारी के दरवाजे से अपने घर जा रहा था, तीनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश एवं जमीनी विवाद के चलते दिनेश यादव की मारपीट कर दी। फरियादी दिनेश की पत्नी ने थाना परिसर में आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने फरियादी का मेडिकल कराकर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी।

जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को 5 वर्ष का सश्रम कारावास

टीकमगढ़, देशबन्धु। जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को न्यायालय ने 5 साल की सजा सुनाई है। मामले में जानकारी देते हुए पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजक जटाशंकर श्रोती ने बताया कि मामला प्रथम अपर सत्र न्?यायाधीश अनिल कुमार कारोरिया के न्?यायालय में विचाराधीन था। उक्?त प्रकरण में न्?यायालीय द्वारा निर्णय पारित करते हुए आरोपी कम्?मोदा अहिरवार को दोषसिद्ध ठहराते हुए धारा दृ 307 भा.दं.सं. के अपराध में 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं दो हजार रूपये के अर्थदण्?ड से दण्डित किया गया।

दबंगों के आगे बेबस प्रशासन: फूलपुर में जमीनों पर कब्जा,जान से मारने की दी जा रही धमकी

पलेरा,देशबन्धु। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत फूलपुर में लगातार मनमाने तरीके से दबंगों द्वारा गरीबों की निजी भूमि पर निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। ऐसे में पुलिस थाना, तहसीलदार, एसडीएम से लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तक एक दर्जन शिकायतें किए जाने के बाद भी अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई सामने नहीं आई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता चत्तूबाई पत्नी दुर्गा अहिरवार निवासी फूलपुर ने बताया कि उसकी निजी भूमि पर अनावेदक रामदयाल यादव, घनश्याम यादव, राधाचरण यादव, वीर सिंह यादव निवासी फूलपुर के द्वारा टैंक के गड्ढे खोदे गए, आबिद द्वारा मना करने पर अनावेदकों के द्वारा जाति सूचक गाली गलौज एवं मारपीट की गई। पूरे मामले की शिकायत आवेदिका के द्वारा खरगापुर थाने में दर्ज करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके अलावा तहसील कार्यालय में शिकायत दर्ज करने के बाद शिकायती पत्र की पावती तक फरियादी महिला को नहीं दी गई। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि अनावेदक गांव के ही दबंग व्यक्ति हैं, जिनसे उसे जान से मारने की धमकी मिल रही है। ऐसे में अभी तक न तो फरियादी महिला की शिकायत पर पुलिस के द्वारा खरगापुर पुलिस थाने में एफआईआर की जा रही है। जिसके चलते दबंगो का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। उक्त पूर्व मामले को लेकर फरियादि महिला के द्वारा पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई से इस पूरे प्रकरण में तत्काल कार्यवाही किए जाने की मांग की जा रही है।

सीमावर्ती क्षेत्र सहित मुख्य मार्गों पर की चैकिंग

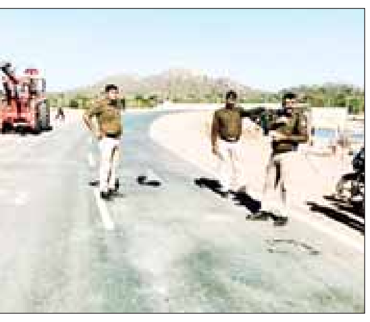

टीकमगढ़, देशबन्धु। एसपी मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा आगामी होली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले के अन्तर्राजीय, अंतर्जिला सीमा पर स्थापित चेकपोस्टों पर अवैध गतिविधियों, अवैध शराब, मादक पदार्थों के परिवहन को रोकने एवं यातायात नियमों के पालन कराने के लिए समस्त थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना, चौकी क्षेत्र में मुख्य मार्गों एवं अन्तर्राज्यीय, अन्तर्जिला चौक पोस्टों पर सघन वाहन चैकिंग करने के लिए निर्देशित किया है। जिले के सभी थाना, चौकी प्रभारियो द्वारा मुख्य मार्गों, उ.प्र. एवं जिला छतरपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थापित चौक पोस्टों पर सघन वाहन चेकिंग कर 391 वाहनों को चौक किया गया। जिसमें 08 बिना सीटबेल्ट, 37 बिना हेलमेट, मॉडिफाइड साइलेंसर सहित कुल 51 वाहन चालकों पर एम व्ही एक्ट के उल्लंघन अंतर्गत चालानी कार्यवाही कर 22300 रूपए का समन शुल्क बसूला गया एवं हेलमेट लगाने,सीट बेल्ट बाँधने, नंबर प्लेट लगाने ,मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करने, काली फ़िल्म न करने व सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए समझाया।

आरोपी मुईन के क्रेशर पर छापा, लीज खत्म होने के बाद भी चल रहा काम, 3 डंपर जब्त

टीकमगढ़,देशबन्धु। भोपाल में फर्जी कॉल सेंटर के मामले में एक ओर कार्रवाई सामने आई है। एसडीएम ने शनिवार को आरोपी मुईन खान के क्रेशर पर छापा मारा। मुईन, मुख्य आरोपी अफजल खान का साला है।

एसडीएम संजय दुबे ने खनिज अधिकारी प्रशांत तिवारी और राजस्व टीम के साथ सुधा सागर रोड स्थित लक्ष्मी स्टोन क्रेशर की जांच की। जांच में पाया गया कि स्वीकृत क्षेत्र से अधिक में खनन किया जा रहा था। मुईन पर आरोप है कि उसने फर्जी कॉल सेंटर के संचालक अफजल की अवैध कमाई को टीकमगढ़ में प्रॉपर्टी और क्रेशर में लगाया। लक्ष्मी स्टोन क्रेशर की लीज ली थी। लीज समाप्त होने की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान गिट्टी का परिवहन करते तीन डंपर जब्त किए गए। खनिज विभाग की टीम अब रिकॉर्ड की जांच कर रही है। टीम यह पता लगा रही है कि क्रेशर की लीज कब तक के लिए स्वीकृत थी। लीज समाप्ति के बाद भी संचालन के लिए जुर्माना लगाया जाएगा।

पुलिस ने फिर पकड़ी 4 लाख की अफीम की फसल, कई जगह कार्रवाई के डर से नष्ट की अवैध खेती

जतारा, देशबन्धु। बीते दिनों मुहारा गांव में बड़े पैमाने पर की जा रही अफीम की फसल की चर्चा और कार्रवाई अभी खत्म भी नही हुई थी कि थाने के नजदीक और जेल के केम्पस से लगे बैरवार गांव में फिर से अवैध अफीम की फसल जप्त की गई। एसडीओपी अभिषेक गौतम को खबर मिली कि मुहारा की तरह बैर बार गांव में भी एक किसान के खेत पर अफीम की अवैध फसल लगी हुई है। जिस प्रकार बाइक करते हुए एसडीओपी अभिषेक गौतम ने तुरंत जतारा पुलिस के साथ सुबह ही बैरवार जेल के पास स्थित उस खेत पर पहुचे और मामले को सही पाया। उन्होंने तत्काल मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी और पुलिस ने उक्त फसल को जप्त कर लिया। खेत किसान पर्वत उर्फ लक्ष्मण पिता छिम्मा रैकवार निवासी बैरवार का बताया गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया पकड़ी अफीम की फसल की 67 किलो 200 ग्राम बताई जा रही हैं। जिसकी बाजारू कीमत लगभग 4 लाख रुपए बताई जा रही है। सवाल यह है कि आखिर गेहूं और चने की फसल की खेती करने वाले किसानो से क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती कौन करवा रहा है। कहां से इसके बीज आते है और फसल पकने पर कौन इसे खरीदता है। इसकी भी जांच पुलिस को करनी चाहिए। इस मामले में पर्वत रैकवार ने बताया कि उसे पता ही नही था कि यह अफीम की फसल है वह तो इसे खश खश दाने समझ रहा था। तो वहीं सूत्रों की खबर यह भी है कि आज की कार्रवाई की खबर लगते ही कई अन्य जगह भी इसी तरह की फसल नष्ट कर दीं गई। हालांकि पुलिस आगे भी इन मामलों में कार्रवाई कर सकती है। आज की कार्रवाई में एसडीओपी अभिषेक गौतम थाना प्रभारी नन्हे सिंह एव अन्य पुलिस स्टाफ शामिल रहा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

मुख्यमंत्री ने श्रीमती भारती को राजमाता विजयाराजे सिंधिया पुरस्कार से किया सम्मानित

बैतूल, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे सभागार भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बैतूल जिले की ग्राम भारती महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती भारती अग्रवाल को राज्य स्तरीय राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती भारती अग्रवाल विगत 40 वर्ष से बैतूल जिले के जनजातीय क्षेत्रों में महिला जागरूकता, अधिकार, समानता, शिक्षा एवं रोजगार के विभिन्न आयामों पर कार्य कर रही है। श्रीमती अग्रवाल द्वारा बैतूल जिले में महिला शक्ति सदन एवं बालिकाओं के लिए वात्सल्य गृह भी संचालित किया जाता है।

युवक ने फांसी लगाकर कि आत्महत्या

सावलमेढ, देशबन्धु। वनग्राम जूनापानी निवासी 28 वर्षीय युवक सुंदरलाल पिता दामू वर्टी ने आज सुबह आज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की भाभी जब उसे भोजन देने गयी तो उसने देखा और अन्य परिजनों को सूचित किया। युवक के परिवार में पत्नी एवं दो बच्चों भी है । सभी शिवरात्रि के बाद गेंहू कटाई पर ग्राम रंभा गए थे। युवक की आंखों में कुछ समस्या होने के चलते वह कल ही घर लौटा था, जबकि पत्नी बच्चे वही थे। जिस समय घटना हुई घर के अन्य सदस्य मा, पिता एवं भाई खेत व जंगल गए हुए थे। पुलिस द्वारा बताया गया कि पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर मामले कि जांच कि जा रही है।

भड़ूस की महिलाओं ने ग्राम सभा में उठाया अधूरी जल जीवन मिशन योजना का मुद्दा

बैतूल, देशबन्धु। हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गई है। जिले की ज्यादातर पंचायतों में लोगों को योजना का लाभ नहीं मिलता दिख रहा है। आलम यह है कि विभागीय अधिकारियों की ओर से स्थल निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति की गई है। लोग शुद्ध पेयजल मिलने की उम्मीद में टकटकी लगाए बैठे हैं। ऐसे ही कुछ हाल बैतूल जिला मुख्यालय के ग्राम भड़ूस में है, जहां ग्रामीण जल जीवन मिशन के अंतर्गत अपने घरों में लगे नल से शुद्ध जल आने की टकटकी लगाए बैठे है। अब ग्रामीणों ने नल जल योजना का कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाने की मांग को लेकर इसकी शिकायत कलेक्टर से किए जाने का निर्णय लिया है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित ग्राम सभा में महिलाओं ने ग्राम में अधूरी पड़ी जल जीवन मिशन योजना का मुद्दा उठाया। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि ग्राम में जल जीवन मिशन योजना के तहत जो कार्य हुए हैं वह अपूर्ण और गुणवत्ता विहीन है एवं एसडीओ भी काल नहीं उठाते है, जिसका पंचनामा भी ग्राम सभा में बनाया गया। ग्राम सभा में सरपंच श्रीमती सुनीता, जनपद सदस्य अलकेश वाघमारे, नोडल अधिकारी सहित महिला पंच उपस्थित थी।

कांग्रेस ने दी चेतावनी -मंत्री पटेल के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा आंदोलन

- दिया धरना एवं पुतला जलाया
- प्रदर्शनकारियों पर प्रशासन ने चलाया वाटर कैनन

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान को लेकर कांग्रेस ने बड़ा आंदोलन छेड़ दिया है। मंत्री पटेल ने हाल ही में कहा था कि लोग ज्ञापन देने के नाम पर सौगातों की भीख मांगते हैं। इस बयान से नाराज कांग्रेस ने 8 मार्च को बैतूल में बड़ा प्रदर्शन किया और मंत्री पटेल के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाया और जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया था। जब प्रदर्शनकारियों ने उग्र रुख अपनाया, तो प्रशासन ने उन्हें नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। हालांकि, कांग्रेस कार्यकर्ता इससे पीछे नहीं हटे और मंत्री पटेल के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में दोपहर 12 बजे जिला उद्योग कार्यालय के सामने प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें मंत्री पटेल को बर्खास्त करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि प्रहलाद पटेल ने प्रदेश की जनता को भिखारी निरूपित कर अपमानित किया है। मंत्री का यह बयान निंदनीय और घोर आपत्तिजनक है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र में मंत्री बनने से पहले हर नेता जनता से वोट मांगता है, लेकिन जनता को कभी अपमानित नहीं किया जाता। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मंत्री पटेल को अपने शब्दों के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए, लेकिन उन्होंने उल्टा इसे सही ठहराया है, जो उनकी हठधर्मिता को दर्शाता है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने कहा प्रहलाद पटेल का बयान लोकतंत्र का मजाक उड़ाने वाला है। जनता सरकार से अपने अधिकार मांगती है, कोई भीख नहीं। अगर जनता की आवाज को भीख समझा जाता है, तो ऐसे मंत्री को पद पर बने रहने का कोई हक नहीं। कांग्रेस जनता के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी और जब तक मंत्री पटेल माफी नहीं मांगते और इस्तीफा नहीं देते, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और उसके आत्मसम्मान पर चोट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री को इस पर तुरंत संज्ञान लेकर मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि जब तक मंत्री प्रहलाद पटेल इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन में पूर्व विधायक निलय डागा, रामू टेकाम, समीर खान, हेमंत पगारिया, शांतिलाल तातेड, अनुराग मिश्रा, मनोज आर्य, नवनीत मालवीय, अखिलेश मालवीय, भोला कांति, मोनू बड़ोनिया, नेकराम यादव, डा विजय देशमुख, पुष्पा पेंद्राम, जमुना पंडाग्रे, मोनिका निरापुरे, पुष्पा मर्सकोले, रमेश गायकवाड, रूपेश आर्य, बाबाराव ठाकरे, अनिल मगरकर, विभाषवर्धन पांडे, नितिन गाडरे, राजकुमार दीवान, मनोज मालवे, अजाब राव झरबडे, राजेश गावंडे, मोनू वाघ, ऋषि दीक्षित, नीरज राठौर, रजनीश सोनी, उमाशंकर दीवान, रेवाराम रावत, रामशंकर साबले, मनीष देशमुख, राजा सोनी, रवि त्रिपाठी , नीरज राठौर , सरफराज खान, महेश थोटकर, सेंटी वाघमारे, राहुल छत्रपाल, विजय पारदी, असलम शेख, रमेश काकोड़िया, विजय उपराले, बंडू कुंभारे, रानू ठाकुर, स्पेंसर लाल, पिंटिश नागले, विक्की सिंग, मिथलेश सिंह, अभिषेक पवार, राजकुमार मालवीय, रामा काकोडिया, राजकुमार उदयपुरे, खुशीराम लिलहोरे, संतोष वाघमारे, मंगेश सरियाम, चुन्नीलाल यादव, विजय उपराले , प्रतीक सोनी, नारायण देशमुख शामिल रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व वसूली हुई तेज

- डेढ़ सौ बकायादारों को नोटिस जारी
- 3 दिन में बकाया कर जमा करने के निर्देश

बैतूल, देशबन्धु। जिले को मध्यप्रदेश शासन में प्रथम स्थान दिलाने के लक्ष्य के साथ राजस्व विभाग ने वसूली की गति तेज कर दी है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के आदेशानुसार एसडीएम राजीव कहार की अध्यक्षता में शनिवार 8 मार्च को जनपद पंचायत सभा कक्ष में बैठक आयोजित हुई, जिसमें तहसीलदार गोवर्धन पाटे, नायब तहसीलदार श्याम सिंह उईके, राजस्व निरीक्षक राहुल इवने, भीमराव पोटफोड़े, भगवानदास आमों, उमेश गीद, यशवंत वटके, संतोष ठाकुर, हेमंत चिलहाटे, जितेंद्र पवार सहित सभी पटवारी मौजूद रहे। बैठक में ई-केवाईसी, डायवर्सन टैक्स, नजूल टैक्स वसूली, फॉर्मर रजिस्ट्री, गिरदावरी और राजस्व विभाग के अन्य कार्यों की समीक्षा की गई।

तहसीलदार ने आम जनता से अपील की कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए डायवर्सन टैक्स तुरंत हल्का पटवारी के माध्यम से जमा करें। खासतौर पर वे बकायादार जो व्यवसायिक भूमि का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन परिवर्तित भू-राजस्व जमा नहीं कर रहे, उन पर सख्ती बरती जाएगी। इसमें मेरिज गार्डन, स्कूल, पेट्रोल पंप, शोरूम, वर्कशॉप संचालकों समेत 150 बकायादारों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। यदि तीन दिवस में बकाया राशि जमा नहीं की गई तो कुर्की की कार्रवाई होगी। तहसीलदार ने निर्देश दिया है कि सभी बकायादार एमपी भूलेख पोर्टल या पटवारी के माध्यम से भुगतान करें और चालान की प्रति पटवारी के पास जमा कराएं।

नगर में राजस्व निरीक्षकों और पटवारियों को अलग-अलग वार्डों की जिम्मेदारी दी गई है। तहसील बैतूल नगर के राजस्व निरीक्षक बीआर पोटफोड़े, नजूल निरीक्षक सुखराम सिरसाम और अशोक राठौर को नियुक्त किया गया है। खंजनपुर, टिकारी, हमलापुर, बदनूरढाना, गौठाना और अन्य वार्डों में सुशील उपासे, धर्मेंद्र पवार, संजय मोरे और गोपाल महस्की को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर तहसील के अंतर्गत आने वाले आवासीय, व्यवसायिक और शैक्षणिक भू-राजस्व व नजूल टैक्स के भुगतान के लिए आम नागरिक उपरोक्त अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन की स्पष्ट चेतावनी है कि अगर समय रहते टैक्स जमा नहीं किया गया तो कानूनी कार्रवाई से बचना मुश्किल होगा।

भूखंड मालिक तुरंत करें भुगतान: बैतूल तहसील अंतर्गत भूखंड धारकों, विशेष रूप से वे जो अन्यत्र निवास कर रहे हैं, ऐसे भूखंड धारकों से अपील की गई है कि वे शीघ्र अपने करों का भुगतान करें और एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। बैठक में बताया गया कि यदि शासन को समय पर टैक्स नहीं मिलेगा तो जनता से जुड़ी कई लाभान्वित योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं आ सकती हैं। खाली भूखंडों की स्थिति स्पष्ट न होने से भी कार्रवाई में परेशानी हो रही है। ऐसे में प्रशासन ने सभी भूखंड मालिकों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने करों का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करें।

न्यूरो संबंधी विकारों के इलाज के लिए हेल्थ ओपीडी का आयोजन आज

बैतूल, देशबन्धु। न्यूरो संबंधी विकारों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष हेल्थ ओपीडी का आयोजन किया जा रहा है। यह ओपीडी रविवार, 9 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक डॉ. अरुण श्रीवास्तव अस्पताल, होटल रामकृष्ण के पास, सदर बैतूल में आयोजित होगी। ओपीडी का संचालन नागपुर के प्रसिद्ध न्यूरोफिजिशियन डॉक्टर जीवन किनकर द्वारा किया जाएगा। यह ओपीडी विशेष रूप से मिर्गी, माइग्रेन, लकवा, सिरदर्द, भूलने की बीमारी, शरीर के किसी हिस्से में झनझनाहट, हाथ-पैरों में कंपन या कमजोरी जैसे न्यूरो विकारों से पीड़ित मरीजों के लिए आयोजित की जा रही है। आयोजकों ने अपील की है कि जो मरीज इन बीमारियों से पीड़ित हैं, वे समय पर जांच करवा कर उचित इलाज प्राप्त करें।

सभी ब्लॉकों के पशु चिकित्सालयों में डॉक्टर समय पर रहे उपस्थित -कलेक्टर

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक के दौरान पशुपालन विभाग की संचालित सभी गतिविधियों एवं योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पशुओं के पंजीयन, उपचारित पशुओं की संख्या, टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए साफ-सफाई, गोवंश और पशुओं के बेहतर रखरखाव के लिए पशुपालकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में पशुपालन विभाग से जुड़े लंबित प्रकरणों

की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों व समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए।श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जिले के सभी ब्लॉकों के पशु चिकित्सालयों में डॉक्टर समय पर आए और उपस्थिति बनी रहे। पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों द्वारा समय सीमा में कार्य पूर्ण सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने पशुपालन विभाग को ऑनलाइन पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने तथा रिक्त पदों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में 21 वीं पशु संगणना, केसीसी एनएआईपी एनएम, चलित पशु चिकित्सा इकाई, पीपीर, गौशाला, एनएडीसीपी एफएमडी, चतुर्थ चरण, पंचम चरण, पशु बीमा, सफलता की कहानी तथा विभागीय योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति के निर्देश दिये।

श्री विनायकम स्कूल ने टॉपर्स को एकेडमिक अवॉर्ड से किया अलंकृत

बैतूल, देशबन्धु। श्री विनायकम स्कूल में एकेडमिक अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद मां सरस्वती के पूजन के साथ ज्ञान की महत्ता का आह्वान किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य श्याम साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री विनायकम स्कूल विगत 23 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। यह संस्थान केवल शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को भी प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि विद्यालय की छात्रा पलक राठौर और रोशनी पवार ने जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया, जबकि यश पवार ने प्रदेश स्तर की मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। यह स्कूल की प्रभावी शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

इस समारोह में टॉपर्स को एकेडमिक अवॉर्ड से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय की समग्र शैक्षणिक योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को दिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि श्री विनायकम स्कूल हमेशा से अपने विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। विद्यालय के प्रभावी शिक्षण कार्यक्रम और रणनीतियों के कारण छात्र-छात्राएं हर वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन ने सभी टॉपर्स को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह का प्रदर्शन बनाए रखने की शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों की भी उपस्थिति रही। सम्मान समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यालय की शिक्षण पद्धति की सराहना की। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी से कमलेश खासदेव, अमित मालवी, संजय राठौर एवं भोजराज चढ़ोकार ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

इन विद्यार्थियों को मिला अवॉर्ड

कक्षा 9वीं के छात्र तनिष्क वर्मा 91.20 प्रतिशत, अंबिका 86 प्रतिशत, साक्षी बनखेडे 84.20 प्रतिशत, कक्षा 11वीं तुषार लोखंडे 76.80 प्रतिशत, नंदनी गावंडे 76.40 प्रतिशत, धनिष्ठा सोनी 76 प्रतिशत, प्रतीक साहू 91.40 प्रतिशत, शुभ कटियार 83.80 प्रतिशत, भावना टिकमे 78.60 प्रतिशत, क्रतिक नागले 82.60 प्रतिशत, प्रियल वर्मा 77 प्रतिशत, विज्ञा वर्मा 74.60 प्रतिशत, कक्षा 9वीं की छात्रा अंशिका वर्मा 92.40 प्रतिशत, याशि ताम्रकार 89 प्रतिशत, अर्थव मालवीय 88 प्रतिशत, डॉली कीर 73.8, प्रतिशत, श्रेया आहाके 72.92 प्रतिशत, तनुश्री मालवीय 72.88 प्रतिशत, नीरज नाहारिया 90.84, प्रतिशत, पूजा कनोजे 79.32 प्रतिशत, आर्यन साहू 75.24 प्रतिशत, दिशा चौधरी 83.04 प्रतिशत, भूमि महाले 78.30 प्रतिशत, आलोक मालवीय 76.28 प्रतिशत एकेडमी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम उचागोहान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बाएफ, किसान ई-पोषक एपीओ, उचगोहान ग्राम विकास समिति और नाबार्ड के संयुक्त सहयोग से सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक राहुल कुशवाहा, उचागोहान ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती मनीषा उइके, बाएफ से श्रीमती कृष्णा साहू एवं यशवंत चरपे, किसान ई-पोषक एफपीओ के सीईओ सचिन सोनी, अकाउंटेंट जमदु उइके, कंपनी के निदेशक मंडल, उचागोहान ग्राम विकास समिति के सदस्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिलाएं और किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली और उनके योगदान को समाज में पहचान मिली।

इस आयोजन के दौरान किसानों को जैविक खेती के लाभ, जैविक उत्पादों के उपयोग, जैविक खाद निर्माण एवं उनके विपणन संबंधी जानकारी दी गई। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक राहुल कुशवाहा ने अपने संबोधन में महिलाओं के कृषि एवं उद्यमशीलता में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं।

किसान ई-पोषक एफपीओ के बीओडी ने जैविक खेती के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह किसानों की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ कर सकती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जैविक खेती अपनाकर अपनी उपज की गुणवत्ता और बाजार मूल्य में वृद्धि करें। आयोजन को और अधिक उत्साहपूर्ण बनाने के लिए महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़, मटकी फोड़ और चम्मच दौड़ जैसी रोचक प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

जिला चिकित्सालय की स्वच्छता प्रहरियों का किया सम्मान

भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई बैतूल द्वारा जिला चिकित्सालय में कार्यरत कार्यरत 40 महिला स्वच्छता कर्मियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन महिलाओं के कार्य और समर्पण की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ से संबंधित आउटसोर्स ठेका श्रमिक संघ की महामंत्री प्रिया पाल ने स्वच्छता प्रहरियों व स्वास्थ्य विभाग की बहनों का स्वागत करते हुए उन्हें तिलक लगाया और श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़ ने बताया कि इन स्वच्छता प्रहरियों बहनों ने कोरोना जैसी महामारी बीमारी में अपनी जान जोखिम में डालकर इस जिला चिकित्सालय को साफ स्वच्छ रखा विभाग प्रमुख विनय डोंगरे ने भारतीय मजदूर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष के बारे में बताया व भारतीय मजदूर संघ के कार्यों पर प्रकाश डाला शैलेंद्र बिहारिया ने बताया की झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने समाज में बदलाव के महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। कार्यक्रम में विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेश मंसूरिया, जिला अध्यक्ष संपत दरवाई, जिला मंत्री पंजाब गायकवाड शैलेंद्र बिहारीया, महेंद्र प्रजापति, डॉ. गोविंद साहू, सुनील पाल, चाणक्य राखड़े, प्रकाश करोसिया, ऋषभ जैन, दीप मालवी, निमिष मालवीय, योगेंद्र दवंडे, प्रकाश बंजारे सहित भारतीय मजदूर संघ के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आउटसोर्स मजदूर संघ की प्रिया पाल ने किया।

एनसीसी कैडेट्स ने पोस्टर और भाषण से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

बैतूल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में एनसीसी कैडेट्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया। यह आयोजन एनसीसी डायरेक्टरेट मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एवं पांच एमपी बालिका बटालियन एनसीसी नर्मदापुरम से प्राप्त आदेश के तहत किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मीनाक्षी चौबे के संरक्षण और एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर कमलेश अहिरवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व एनसीसी अधिकारी मेजर डॉक्टर पुष्पारानी आर्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में

70 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। महिला सशक्तिकरण विषय पर 15 एनसीसी कैडेट्स ने पोस्टर तैयार कर प्रदर्शित किए। साथ ही भूमिका हिंगवे, किरण धुर्वे, शिवानी जिझोते, प्रियंका और पल्लवी पवार ने भाषण एवं कविता प्रस्तुत कर नारी शक्ति का संदेश दिया। मेजर डॉक्टर पुष्पारानी आर्य ने कहा कि लड़कियों को अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। एनसीसी अधिकारी डॉक्टर कमलेश अहिरवार ने कहा कि महाविद्यालय की वे छात्राएं जो एनसीसी में सक्रिय हैं, वे अपने जीवन में निर्भय होकर ऊंचाइयों को छूती हैं। कार्यक्रम का संचालन सीनियर अंडर ऑफिसर पल्लवी पवार और भाग्यश्री ने किया। इसके सफल आयोजन में अंडर ऑफिसर पलक, कैडेट श्वेता पवार, भूमिका राने, पूनम महस्की, सपना बेले, जाह्नवी खातरकर, कुमकुम मोयने आदि का विशेष योगदान रहा। पोस्टर प्रतियोगिता में जाह्नवी खातरकर ने प्रथम, रश्मि देशमुख ने द्वितीय और सृष्टि लोखंडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संघर्ष की मिसाल बनी कल्पना

पति की मौत के बाद ढाबा संभालकर बच्चों को दे रही उज्जवल भविष्य

बैतूल, देशबन्धु। मुलताई की रहने वाली कल्पना हारोडे एक ऐसी महिला हैं, जिन्होंने अपने संघर्ष और साहस से अपने परिवार को संभालने के साथ अपने दिवंगत पति के सपनों को भी जिंदा रखा। पति की असमय मौत के बाद उन्होंने बैतूल-नागपुर फोरलेन पर स्थित ट्रीट 47 फैमिली रेस्टोरेंट को कुशलता से चलाना शुरू किया और अब पूरे आत्मविश्वास के साथ इसे आगे बढ़ा रही हैं। कल्पना हारोडे के पति यशपाल हारोडे 2016 से यह ढाबा संचालित कर रहे थे, लेकिन अचानक हुए एक हादसे में उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना कल्पना के लिए किसी बड़े आघात से कम नहीं थी, क्योंकि उस समय वह गर्भवती थीं। पति के निधन के एक महीने बाद उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया। ऐसे मुश्किल हालात में उन्होंने खुद को संभाला और अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया। उन्होंने अपनी दो बेटियों और एक बेटे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपने पति के व्यवसाय को जारी रखने का निश्चय किया। समाज में आमतौर पर ढाबा संचालन को पुरुषों का काम माना जाता है, लेकिन कल्पना हारोडे ने इस सोच को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

कल्पना का कहना है कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी जिंदगी में ऐसा मोड़ आएगा, लेकिन उन्होंने हालात के आगे घुटने टेकने के बजाय उनका डटकर सामना किया। आज वह अपने परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी कर रही हैं, अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा भी रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कल्पना हारोडे जैसी महिलाएं एक प्रेरणा बनकर सामने आती हैं, जो यह संदेश देती हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। उनका यह संघर्ष उन सभी महिलाओं के लिए एक मिसाल है, जो जीवन की कठिनाइयों से हार मानने के बजाय उनका सामना करने की हिम्मत रखती हैं।

आज सुबह 8 से 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

चिचोली, देशबन्धु। 132 केवी उपकेंद्र जोगली मे मेंटेनेंस के कारण रविवार को चिचोली विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत प्रदाय विद्युत आपूर्ति बंद रहेंगी। विद्युत वितरण केंद्र चिचोली में पदस्थ ए ई शिवराज धुर्वे ने बताया कि 132 केवी उपकेंद्र जोगली मे मेंटेनेंस के कारण चिचोली नगर सहित , ग्राम जीन, गड़ा,टाहली, मलाजपुर, निवारी, कटकुही ,गोधना, चुनहाजुरी, हरदु, चुड़िया,चिखली, चिरापाटला, रतनपुर, झापल, सिप्लई आदि क्षेत्रो की विद्युत आपूर्ति प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। किन्ही अपरिहार्य कारणों के चलते समय मे परिवर्तन किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री केसला के विवाह सम्मेलन में वर्चुअली हुए शामिल, कहा-

समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रहे सामूहिक विवाह

- 5 सौ से अधिक जोड़ों का हुआ विवाह
- एक कल्याणी और एक दिव्यांग बहन भी परिणय सूत्र में बंधी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक समय था जब गरीब परिवार बेटी का विवाह कर कर्ज में डूब जाते थे। बेटी के जन्म के साथ ही उसकी शादी की चिंता सताती थी। लेकिन, अब सरकार बेटियों का कन्यादान कर रही है। माता-पिता अब बेटियों के जन्म पर उदास नहीं होते बल्कि, बधाई गीत गाते हैं। निर्धन परिवार की बेटियों के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना वरदान सिद्ध हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव केसला नर्मदापुरम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास से कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। सामूहिक विवाह में 508 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। यहां एक कल्याणी और एक दिव्यांग बहन का भी विवाह सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिणय सूत्र में बंधे नव दम्पत्तियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति के 16 संस्कारों में से पाणिग्रहण अर्थात विवाह एक महत्वपूर्ण संस्कार है। सामूहिक विवाह में सम्मिलित प्रत्येक नव विवाहित जोड़े को मंगलआशीष के रूप में 49 हजार रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। सामूहिक विवाह समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रहे हैं। यह मित व्ययता और सामाजिक समरसता का संदेश भी देते हैं। भारतीय परम्परा में विवाह कोई समझौता या एग्रीमेंट नहीं, अपितु जन्म-जन्मांतर तक चलने वाला पवित्र बंधन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में नारी सशक्तिकरण मिशन आरंभ किया गया है। लाड़ली बहना योजना और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बहनें आत्मनिर्भर हो रही हैं। केसला में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री डीडी उइके, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सांसद श्रीमती माया नरोलिया, विधायक प्रेमशंकर वर्मा, विजय पाल सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधि व पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भोपाल में मीडिया जगत की महिला प्रतिनिधियों से संवाद किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई और शुभकामनाएँ

महिलाओं ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था, कार्यालय और मीडिया प्रबंधन की कमान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि भारत की संस्कृति माँ और बहन प्रधान है, इसी का प्रभाव है कि हमारे देश का नाम भारत माता से जोड़कर लिया जाता है। महिलाओं और बहनों की जिंदगी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि नारी सशक्तिकरण में मध्यप्रदेश देश में आदर्श राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर मीडिया के लिए जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में सुरक्षा सहित समस्त व्यवस्थाएं संभाल रही महिला अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सुरक्षा की जिम्मेदारी सुश्री बिट्टू शर्मा के पास थी, वहीं मुख्यमंत्री का वाहन इंस्पेक्टर सुश्री इरशाद अली चला रही थीं, कारकेड के वाहनों की जिम्मेदारी सुश्री सपना सहित अन्य महिला चालकों पर थी। ओएसडी का दायित्व अंडर सेक्रेटरी सुश्री श्रीलेखा क्षोत्रीय निभा रही थीं और प्रेस अधिकारी की जिम्मेदारी श्रीमती बिंदु सुनील और श्रीमती सोनिया परिहार के पास रही। फोटोग्राफी की जिम्मेदारी सुश्री जिया श्रीवास्तव, कृति मानिक पुरी, असमा नकवी और आकांक्षा मीणा ने निभाई। कारकेड की पायलेट निरीक्षक रेणू मुरार थीं।

उच्च न्यायालय ने कलेक्टर को फटकारा, कहा-

कार्यालय में बैठकर खुद को शेर समझते हैं

ग्वालियर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने अवमानना की एक याचिका में सुनवाई करते हुए कलेक्टर को जमकर फटकार लगा दी। साथ ही न्यायालय ने टिप्पणी की है कि अधिकारी अपने कार्यालय में बैठकर खुद को शेर समझते हैं। किसी की नहीं सुनते हैं। न्यायालय को भी किसी में नहीं गिन रहे हैं।

दरअसल, उच्च न्यायालय में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी रामकुमार गुप्ता के मामले में सुनवाई चल रही थी। इस मामले में न्यायालय ने श्री गुप्ता को 17 लाख 61 हजार रुपए का भुगतान करने के संबंध में आदेश पारित किए थे, लेकिन अब तक श्री गुप्ता को भुगतान नहीं किया गया था। जिसके बाद आवेदक ने उच्च न्यायालय में अवमानना की याचिका लगाई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने कलेक्टर रुचिका चौहान को फटकार लगाई है। साथ ही यह टिप्पणी भी की। न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 11 मार्च की पेशी तारीख नियत की है। सुनवाई में न्यायालय ने कलेक्टर को तलब भी किया है।

श्यामबीर को बीडीए की कमान, रूही एसएमएसई में उप सचिव बनाया

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने 2 प्रतिक्षारत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। दतिया के अपर कलेक्टर श्यामबीर सिंह को भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के सीईओ की कमान सौंपी गई है। वहीं बीडीए के सीईओ प्रदीप जैन मंत्रालय उप सचिव पदस्थ किए गए हैं। रूही खान को एसएमएसई में उप सचिव पदस्थ किया गया है। जबकि उज्जैन में पदस्थ अपर कलेक्टर को महेंद्र सिंह कवचे अपर कलेक्टर दतिया बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदीप जैन और महेन्द्र सिंह राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।

ज्ञात हो कि श्री जैन को एक साल पहले ही बीडीए का सीईओ बनाया गया था। जबकि रूही खान 2 साल से पदस्थापना का इंतजार कर रही थीं।

महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में शनिवार को 16वें वित्त आयोग के सदस्य भस्म आरती में शामिल हुए।

हैदराबाद में आयोजित खेल चिंतन शिविर में मंत्री सारंग ने की सहभागिता, कहा-

मध्यप्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के समग्र विकास के लिए हो रहे प्रयास

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश को खेल हब के रूप में विकसित करने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। हमारा संकल्प है कि हर युवा को खेल के क्षेत्र में अपने सपने पूरे करने का अवसर मिले और वे देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने और उनके समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार ने 'फिट इंडिया क्लब', 'पार्थ योजना', 'खेलों बढ़ों अभियान' और मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान, जैसे महत्वपूर्ण नवाचारों की शुरुआत की है। श्री सारंग ने यह बात तेलंगाना के हैदराबाद में आयोजित खेल चिंतन शिविर में कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रदेश में 18 खेलों के लिए 11 खेल अकादमियां स्थापित की गई हैं। प्रदेश सरकार का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए मध्यप्रदेश में विश्वस्तरीय उच्च गुणवत्ता वाली खेल अधोसंरचना तैयार की गई है। इन 11 खेल अकादमियों में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण, अत्याधुनिक उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, मिजोरम पु लालनघिंगलोवा हमार भी उपस्थित रहे।

भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति स्थापित करने हुआ मंथन

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मंडाविया की अध्यक्षता में संपन्न हुए खेल चिंतन शिविर में भारत के खेल भविष्य और वैश्विक स्तर पर भारत के खेल दबदबे को बढ़ाने के लिए विस्तृत योजना तैयार की गई। इस दौरान विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों, खेल प्रशासकों और विशेषज्ञों ने अपने-अपने राज्यों में खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। साथ ही, आवश्यक नीतिगत सुधारों, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, खिलाड़ियों के कल्याण और प्रशिक्षकों के प्रोत्साहन के लिए विस्तार से बातचीत की गई।

मध्यप्रदेश के नवाचारों को मिली सराहना

खेल चिंतन शिविर में मध्यप्रदेश के खेल मॉडल पर विशेष प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसमें प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए किए गए नवाचारों की जानकारी साझा की गई। इन नवाचारों की केंद्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया ने सराहना की। मध्यप्रदेश मॉडल ने शिविर में भाग ले रहे विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, खेल विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया।

महिला मोर्चा के कार्यक्रम को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने किया संबोधित, बोले-

महिला सशक्तिकरण के नारे को धरातल पर उतार रही हैं भाजपा सरकारें

भोपाल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा के गरीबी हटाओ और महिला सशक्तिकरण सिर्फ नारे नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर साकार कर रही हैं। महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में किस प्रकार लाया जाए और किस तरह से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व करने के लिए सक्षम बनाया जाए, इसके व्यवहारिक प्रयास अगर किसी ने किए हैं, तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने का कार्य कर रही है। इस दौरान उन्होंने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहनों को शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें तो अपनी योजनाओं के माध्यम से प्रयास कर ही रही हैं, भाजपा के संगठन ने भी महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने के प्रयास किए हैं। इसी का परिणाम है कि आज पार्टी में जिला अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष और बूथ समिति के अध्यक्ष पद पर भी बड़ी संख्या में महिलाएं चुनी गई हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि विकास के लिए जरूरी है कि पुरुष और महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चलें, मिलकर प्रयास करें। हम सभी को इस दिशा में विचार करने की जरूरत है। विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को अपनी परंपरागत सोच के दायरे से बाहर निकलकर देश और दुनिया के विकास में योगदान देना होगा।

कार्यक्रम को पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी और महापौर श्रीमती मालती राय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति दुबे, प्रदेश प्रवक्ता सुश्री नेहा बग्गा, जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदना जाचक, श्रीमती सुषमा चौहान, श्रीमती नमिता देशवानी, श्रीमती शक्ति दुबे, श्रीमती शशि सिन्हो सहित मोर्चा की पदाधिकारी व बहनें उपस्थित रहीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नारी सशक्तिकरण के हर.... और एकता का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान पवित्रता का संकल्प है, जिसमें अब तक 115 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है। आहार अनुदान योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि के माध्यम से बहनों को सहायता प्रदान करते हुए समर्थ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी क्षेत्र में देश में 4 करोड़ से अधिक मकान बनने जा रहे हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र व्यक्ति को पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा तथा भगवान दास सबनानी, प्रमुख सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूख वली भी मौजूद रहीं।

2 ड्यूटी नर्स निलंबित..... बार उनके संज्ञान में आया है। अस्पताल के सिविल सर्जन व आरएमओ से इस संबंध में उन्होने शिकायत की होगी। सिविल सर्जन व आरएमओ ने उन्हें इस संबंध में जानकारी नहीं दी गयी। सभी दोषी व्यक्तियों को खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य एवं सेवा डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि इस घटना के संबंध में उन्हें जानकारी नहीं है। संबंधित अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करेंगे। गौरतलब है कि 27 सेकेंड के वायरल वीडियो में एक मरीज पलंग में सो रहा है। पलंग के समीप टेबल में रखे सामान को चूहो की गैंग कुतरने में लगी हुई है। इसके अलावा वार्ड में भी चूहे उछल-कूद कर रहे है। इस संबंध में अस्पताल में कार्यरत स्टाफ का कहना है कि पूर्व में भी चूहों के आतंक के संबंध में अस्पताल प्रबंधन से षिकायत की गयी थी। जिम्मेदार अधिकारियों ने उनकी षिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं की। स्टॉफ नर्स तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों ने विगत 9 जनवरी को भी लिखित शिकायत की थी। षिकायत में कहा गया था कि बच्चा वार्ड में चूहों का आतंक है। चूहे अस्पताल में भर्ती मरीज तथा उनके सामान को काट रहे है। इसके पूर्व भी इस संबंध में षिकायत की जा चुकी है।

नवनिर्वाचित विधायकों के.... को उनके दायित्वों और जिम्मेदारियों के महत्व को समझाना ताकि वे विधानसभा की कार्यवाही में अपनी भागीदारी को अधिक कारगर बना सकें। इस पहल के बारे में विधानसभा अध्यक्ष श्री गुप्ता ने विधायकों को उनकी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। श्री गुप्ता ने कहा, 'यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे वे विधानसभा में प्रभावी रूप से कार्य कर सकें। यह उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, विधायी मसौदे और सार्थक बहसों के महत्व को समझने में मदद करेगा।'

फूड प्रोसेसिंग का सबसे बड़ी यूनिट बनेगा 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' नागपुर

संतरे को प्रोसेस करने वाला एशिया का सबसे बड़ा प्लांट

नागपुर, देशबन्धु। पतंजलि द्वारा मिहान, नागपुर में स्थापित पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क में संतरा प्रोसेसिंग का एशिया का सबसे बड़ा प्लांट होगा। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने आज मिहान, नागपुर में प्रेसवार्ता में यह जानकारी देते हुए सर्वप्रथम नागपुर की धरा को प्रणाम करते हुए आगे कहा कि नागपुर की यह धरा अध्यात्म व क्रांति की धरा है। यह धरा देश व संविधान को मूर्त्त रूप प्रदान करने वाली है। अब इस धरा से पतंजलि की नवकृषि क्रांति के द्वारा देश के किसानों की समृद्धि के द्वार खोले जाएँगे।

उन्होंने आगे बताया कि यह प्लांट फूड प्रोसेसिंग का सिंगल प्वाइंट व एशिया की सबसे बड़ी यूनिट है। इसे स्थापित करने पर हमें गर्व की अनुभूति हो रही है। हालाँकि इस प्लांट को प्रारंभ करने में बहुत से विघ्न-बाधाएँ रहीं, बीच में कोरोना काल भी रहा पर अंततः वह दिन आ गया जिसकी प्रतिक्षा क्षेत्र के किसान वर्षों से कर रहे थे। आचार्य जी ने बताया कि इस प्लांट का विधिवत उद्घाटन माननीय सड़क परिवहन, राज्य मार्ग व जहाजरानी मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी तथा महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस रविवार 9 मार्च को करेंगे। उन्होंने कहा कि विदर्भ का नाम आते ही यहाँ के किसानों की आत्महत्याएँ व प्रताड़ित व दुःखी किसानों का चित्र स्वतः ही चित्रित हो जाता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही इस चित्र को बदलने का कार्य मिहान के इस संतरा प्रोसेसिंग प्लांट से होगा, इसमें हमें आप सबका साथ व सहयोग चाहिए। इस पूरे क्षेत्र, किसानों व कृषि व्यवस्था की भयावह सूरत हम बदलकर रहेंगे, यह हमारा संकल्प है। आचार्य जी ने बताया कि उक्त प्लांट की प्रतिदिन 800 टन प्रोसेसिंग क्षमता है। जिसमें हम ए ग्रेड के साथ-साथ बी व सी ग्रेड के संतरे, प्री-मैच्योर उत्पादन, आंधी से टूटकर गिरने वाले संतरे को भी प्रोसेस करते हैं। हमारा यह प्लांट जीरो वेस्टेज सिस्टम पर काम करता है। हमारा कार्य संतरे के छिलके से प्रारंभ होता है जिसमें हम संतरे के छिलके से वॉलिटाइल तथा फ्रेगरेंस ऑयल निकालते हैं। इसके लिए हमने विदेशी तकनीक और पूरे सिस्टम पर रिसर्च की क्योंकि इतना बड़ा प्लांट केवल जूस के भरोसे पर नहीं चलाया जा सकता। हमने इसके बॉय प्रोडक्ट्स पर भी फोकस किया। इस प्लांट को धरातल पर आपके सामने लाने में हमारा काफी समय व पुरुषार्थ लगा। आज इस क्षेत्र के प्रत्येक गांव का लगभग प्रत्येक किसान हमारे संपर्क में है, साथ ही कुछ प्रतिभाशाली व्यक्ति भी हमारी दृष्टि में हैं। हमारी प्राथमिकता स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने तथा स्थानीय किसानों को समृद्धशाली बनाने की है। माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वप्न है कि स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाकर देश में मैनपॉवर स्किल तैयार की जाए, उसमें पतंजलि ही अग्रणी भूमिका निभा रहा है।आचार्य जी ने बताया कि उक्त प्लांट में आधुनिक मापदण्डों के आधार पर पूरा एडवांस सिस्टम है जिसमें पैकेजिंग लाइन, टैक्नोपैक से लेकर एडवांस रिसर्च लैब्स शामिल हैं। हमारे उत्पादों की गुणवत्ता टॉप क्लास है, हमारे लिए पूरा विश्व बाजार खुला है। लेकिन हमारी प्राथमिकता देश के लोगों को एक्सपोर्ट क्वालिटी के बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रॉ-मैटिरियल की उपलब्धता के आधार पर यहाँ संतरा, लाइम, आंवला, अनार, अमरूद, अंगूर, लौकी, गाजर का जूस, आम व संतरे का पल्प तथा ऑनियन, टमाटो का पेस्ट भी बनाया जाएगा।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन**, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।